वर्ष : 17 ❖ अंक : 89 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
बुधवार, 02 नवम्बर 2022

फ्री योग क्लासेज बंद नहीं होने दूंगा : केजरीवाल 3 | पीएम ने मोरबी पुल हादसे की जगह का दौरा किया, घायलों से की मुलाकात 8

कांग्रेस अपनाएगी एकला चलो की नीति? अध्यक्ष बनने के बाद पहले भाषण में ही खड़गे का बड़ा संकेत

नई दिल्ली, 01 नवम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस का अध्यक्ष बनने के बाद अपने पहले सार्वजनिक संबोधन में मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस राहुल गांधी के नेतृत्व में गैर भाजपाई सरकार देगी । पार्टी के शीर्ष पद पर चुने जाने के बाद यहां 'भारत जोड़ो यात्रा' में शामिल हुए खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए उन पर 'हर दिन झूठ फैलाने' का आरोप लगाया, जो लंबे समय में देश को बर्बाद कर सकता है।

एक जनसभा को संबोधित करते हुए खड़गे ने कहा, 'अगर कोई गैर भाजपाई सरकार लाएगा तो राहुल गांधी के नेतृत्व में, कांग्रेस के नेतृत्व में हम यह करेंगे।' कांग्रेस नेता ने कहा कि 'भारत जोड़ो यात्रा' को भारी संख्या में युवाओं का समर्थन मिल रहा है क्योंकि मोदी 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान किए गए दो करोड़ नौकरियों के वादे को पूरा करने में विफल रहे हैं। खड़गे ने कहा कि गुजरात चुनाव की घोषणा में विलंब हुआ क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी को मोरबी में गिरे पुल जैसे और पुलों का उद्घाटन करना है। खड़गे ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव पर निशाना साधा और उन पर खुद के लिए राष्ट्रीय भूमिका पर नजर रखते हुए राज्य के लोगों के कल्याण की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, 'केसीआर अन्य राज्यों का दौरा कर रहे हैं और नेताओं से मिल रहे हैं। वह कोलकाता, फिर पंजाब, तमिलनाडु और बिहार गए। पहले अपना घर तो देख लीजिए।' उन्होंने कहा, 'अपने कार्यों से आप उस पार्टी को कमजोर कर रहे हैं जो कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक जिंदा है और भाजपा से लड़ने को तैयार है।' उन्होंने आरोप लगाया कहा, 'अगर आप भाजपा के खिलाफ हैं तो आपने कृषि कानूनों पर उनका समर्थन क्यों किया? वह (केसीआर) गैर-भाजपा सरकार के पक्ष में होने का दावा करते हैं, लेकिन उनके साथ मिलकर काम कर रहे हैं।'

खड़गे ने कहा, 'तेलंगाना के लोगों के समर्थन के कारण केसीआर की सरकार है। लेकिन वे सब कुछ नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं। केसीआर और मोदी में कोई अंतर नहीं है, दोनों साथ हैं।' अपराह्न में यहां पहुंचे खड़गे 'नेकलेस रोड' पर इंदिरा गांधी के प्रतिमा स्थल पर आयोजित नुक्कड़ सभा में शामिल हुए। यह आज के लिये यात्रा का अंतिम पड़ाव था। चारमीनार इलाके में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद राहुल गांधी, अन्य नेताओं, पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों की भीड़ के साथ नेकलेस रोड पर पहुंचे। कुछ मिनटों बाद खड़गे मंच पर पहुंचे और दोनों नेताओं ने एक-दूसरे को गले लगाया।

नुक्कड़ सभा में भारी भीड़ देखी गई और जो लोग मंच के करीब पहुंचने में असमर्थ थे उनके लिए बड़ी स्क्रीन लगाई गई थीं जिससे वह दूर से इस कार्यक्रम को देख सकें।

इससे पहले खड़गे 16 अक्टूबर को कर्नाटक के बेल्लारी में यात्रा में शामिल हुए थे। वह बेल्लारी में गांधी के साथ यात्रा में शामिल हुए थे और बाद में वहां एक जनसभा को संबोधित किया था। कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए 17 अक्टूबर को हुए चुनाव में खड़गे और शशि थरूर मैदान में थे जिसमें खड़गे ने बाजी मारी।

पदयात्रा शमशाबाद के मठ मंदिर से शुरू हुई और अपराह्न में विश्राम के लिए हैदराबाद के बहादुरपुर के 'लेगेसी पैलेस' में कुछ देर रुकी। बोवेनपल्ली के 'गांधी विचारधारा केंद्र' में रात्रि विश्राम किया जाएगा।

महिलाओं के लैंगिक मुद्दों पर एकदिवसीय कानूनी जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

अनुगामिनी का.सं.

पाकिम, 01 नवम्बर । दक्षिण सिक्किम के राबांग्ला में राज्य महिला आयोग द्वारा केंद्रीय कानून मंत्रालय के अधीन न्याय विभाग के सहयोग से गत 31 अक्टूबर को महिलाओं के लैंगिक मुद्दों पर एकदिवसीय कानूनी जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में राबांग्ला की 21 विभिन्न स्वयं सहायता समूहों के सदस्य लाभार्थी के तौर पर शामिल हुए थे।

इस दौरान सिक्किम महिला आयोग की सदस्य श्रीमती टैनी डोमा भूटिया मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थी। वहीं कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के तौर पर दक्षिण सिक्किम के वन स्टॉप सेंटर की पैरालीगल एडवोकेट अरोमीना लेप्चा, बाल कल्याण समिति सदस्य नीलम सुब्बा और वरिष्ठ पत्रकार कविता शर्मा शामिल रहीं।

कार्यक्रम की शुरूआत सिक्किम महिला आयोग की परियोजना समन्वयक कुंजांग ओंग्मु भूटिया के स्वागत भाषण से हुई जिसमें उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में संक्षिप्त प्रस्तुति दी। वहीं मुख्य अतिथि श्रीमती टैनी डोमा भूटिया ने अपने वक्तव्य में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा को समझने और समाधान की आवश्यकता पर विस्तार से बात की।

इस दौरान पैनल एडवोकेट अरोमीना लेप्चा ने घरेलू हिंसा अधिनियम के प्रावधानों पर प्रकाश डालते हुए पीड़ितों के लिए निवारण तंत्र के बारे में बताया। सीडब्ल्यूसी सदस्य नीलम सुब्बा ने पोक्सो अधिनियम पर कार्यक्रम के दूसरे सत्र का संचालन किया। वहीं वरिष्ठ पत्रकार कविता शर्मा ने महिलाओं एवं बच्चों के खिलाफ अपराधों की रिपोर्टिंग पर मीडिया की भूमिका पर बात की।

बाद में एक चर्चा सत्र भी आयोजित हुए जिसमें उपस्थित लोगों ने अपने सवाल पूछे।

यूपी में स्टार्टअप का हौसला बढ़ाने को भत्ता देगी योगी सरकार

लखनऊ, 01 नवम्बर (एजेन्सी)। योगी आदित्यनाथ सरकार अब यूपी में स्टार्टअप को एक साल के लिए 17500 रुपये महीना प्रोत्साहन भत्ता देगी। वहीं उत्पाद बनाने के लिए पांच लाख रुपये और बाजार में लांच करने पर साढ़े सात लाख रुपये दिए जाएंगे। नीति के तहत अब सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की संख्या तीन से बढ़ा कर 10 कर दी जाएगी। नीति में संशोधन के लिए आईटी विभाग ने प्रस्ताव तैयार कर लिया है।

अभी तक स्टार्टअप के 15000 रुपये मासिक भत्ते को बढ़ाकर 17500 रुपये यानी एक वर्ष में कुल 210000 दिए जाएंगे। वहीं पांच लाख रुपये प्रोटोटाइप की नई ग्रांट लाई जाएगी और लांच करने की धनराशि पांच लाख से बढ़ाकर साढ़े सात लाख रुपये कर दी जाएगी यानी एक स्टार्टअप यदि शुरुआत से मार्केट लांच तक यूपी की स्टार्टअप नीति के तहत रहता है तो उसे कुल 14,60000 रुपये मिलेंगे। संशोधित नीति में आधा दर्जन नए क्षेत्रों को शामिल किया गया है।

इसमें महिलाओं के नेतृत्व, ग्रामीण प्रभाव वाले, सर्कुलर इकोनॉमी, सौर ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन, व्यवसायीकरण आदि को शामिल किया गया है। फरवरी में होने वाली ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी से पहले नीति में संशोधन किया जाएगा। अब आइडिया से उत्पाद बनाने और (शेष पृष्ठ ०३ पर)

केंद्रीय मंत्री ने किया रंगेली प्रखंड के विभिन्न स्थानों का दौरा

अनुगामिनी नि.सं.

पाकिम, 01 नवम्बर । केंद्रीय विदेश व शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. राजकुमार रंजन सिंह ने आज अपने सिक्किम दौरे के दूसरे दिन जिले के रंगेली प्रखंड के अंतर्गत विभिन्न स्थानों का दौरा किया।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री के साथ नाथांग-माचोंग क्षेत्रीय विधायक डीटी लेप्चा, गंगटोक विधायक वाईटी लेप्चा, पाकिम जिला कलेक्टर ताशी चोफेल, पाकिम एसपी कर्मा ग्यामत्छो भूटिया, एसडीएम मुख्यालय थेंडुप लेप्चा, रंगली एसडीएम डीएस सुब्बा, पाकिम सीईओ एडी छेत्री के अलावा एसडीपीओ, रेगु बीडीओ, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष एवं अन्य लोग भी थे।

इस दौरान मंत्री सिंह ने आमलोगों से मुलाकात की और उनके साथ स्वास्थ्य, सामाजिक-आर्थिक, शिक्षा आदि क्षेत्रों से सम्बंधित विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से बात की।

साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला और लोगों को इसके साथ आगे आने और योजनाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया।

वहीं इसके बाद केंद्रीय मंत्री ने पाकिम ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे का निरीक्षण किया और वहां से पाचेखानी मंदिर पहुंच पूजा-अर्चना की। उसके बाद केंद्रीय मंत्री ने रंगली सेकेण्डरी स्कूल और उसके बाद चूजाचेन सीनियर सेकेण्डरी स्कूल का दौरा किया।

ग्लोबल नेपाली स्पीकिंग क्रिश्चिसन लीडर्स कॉन्फ्रेंस शुरु

अनुगामिनी का.सं.

पाकिम, 01 नवम्बर । तीन दिवसीय ग्लोबल नेपाली स्पीकिंग क्रिश्चियन लीडर्स कॉन्फ्रेंस 2022 आज शाम यहां गंगटोक के इवेंजेलिकल प्रेस्बिटेरियन चर्च में शुरू हुई। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य के कृषि मंत्री श्री लोकनाथ शर्मा उपस्थित थे।

सम्मेलन में कुवैत, मलेशिया, इस्त्रियल, जापान, भूटान, नेपाल, कतर, मलेशिया, बहरीन और भारत के विभिन्न राज्यों सहित विभिन्न देशों के ईसाई नेताओं की उपस्थिति थी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री शर्मा ने राज्य सरकार की ओर से विदेशी प्रतिनिधियों और प्रतिभागियों का गर्मजोशी से स्वागत किया।

उन्होंने जीवन में रचनात्मक उद्देश्य के लिए प्रत्येक व्यक्ति की आंतरिक शक्ति का एहसास करने के लिए ज्ञान साझा किया। उन्होंने भारत के हिमालयी राज्य की अनूठी विशेषताओं को रेखांकित किया और विश्व स्तर पर सिक्किम को बढ़ावा देने के लिए सभा से आग्रह किया।

कार्यक्रम को देहरादून के रेव. निकानोर तमांग और नेपाल के पास्टर नेवल ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में जीएनएससीएफ द्वारा स्मारिका का विमोचन तथा अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

सड़क सीमा संगठन के उप-महानिदेशक ने की राज्यपाल से भेंट

अनुगामिनी का.सं.

पाकिम, 01 नवम्बर । सड़क सीमा संगठन के उप-महानिदेशक पीकेएच सिंह ने आज सिक्किम के राज्यपाल श्री गंगा प्रसाद से राजभवन परिसर में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उप-महानिदेशक के साथ सड़क सीमा संगठन के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

इस मुलाकात के दौरान राज्यपाल एवं उप-महानिदेशक के बीच सीमा सड़क सुरक्षा सम्बंधित चर्चा की गई।

राज्यपाल ने सड़क सीमा संगठन द्वारा किये गए कार्यों की सराहना करते हुए इस बात पर जोर दिया कि सिक्किम एक संवेदनशील सीमावर्ती राज्य है अत: राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से सड़क के अच्छा रखरखाव का होना अति आवश्यक है और उन्होंने इसके उचित रखरखाव पर बारीकी से ध्यान देने की बात कही। उप-महानिदेशक ने राज्यपाल महोदय के सादर आतिथ्य सत्कार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

आदिवासी समाज के बलिदान को इतिहास में नहीं मिली उचित जगह, भूल को सुधार रहा है देश : पीएम मोदी

मानगढ़, 01 नवम्बर (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि आदिवासी समाज के संघर्ष और बलिदान को आजादी के बाद लिखे गये इतिहास में जो जगह मिलनी चाहिए वो नहीं मिली और आज देश दशकों की उस भूल को सुधार रहा है। उन्होंने कहा कि भारत का अतीत, भारत का इतिहास, भारत का वर्तमान और भारत का भविष्य आदिवासी समाज के बिना पूरा नहीं होता। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार अंग्रेजों के खिलाफ आदिवासी आंदोलन के प्रतीक मानगढ़ धाम के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और इसके लिए राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र को खाका तैयार कर इस दिशा में मिलकर काम करना चाहिए।

प्रधानमंत्री राजस्थान के बांसवाड़ा के पास मानगढ़ धाम में मानगढ़ धाम की गौरव गाथा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, 17 नवम्बर 1913 को मानगढ़ में जो नरसंहार हुआ, वह अंग्रेजी हुकूमत की क्रूरता की पराकाष्ठा थी। मानगढ़ की इस पहाड़ी पर अंग्रेजी हुकूमत ने डेढ़ हजार से ज्यादा युवाओं, बुजुर्गों, महिलाओं को घेरकर के उन्हें मौत के घाट उतार दिया था। दुर्भाग्य से आदिवासी समाज के इस संघर्ष और बलिदान को आज़ादी के बाद लिखे गए इतिहास में जो जगह मिलनी चाहिए थी, वो नहीं मिली। उन्होंने कहा, आजादी के अमृत महोत्सव में आज देश दशकों पहले की उस भूल को सुधार रहा है।

इस कार्यक्रम में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी मौजूद थे। गहलोत ने अपने संबोधन में इस धाम को 'राष्ट्रीय स्मारक' का दर्जा देने की मांग की। मोदी ने कहा,मानगढ़ धाम का भव्य विस्तार हम सभी की प्रबल इच्छा है। इसके लिए राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र को मिलकर काम करने की आवश्यकता है। मेरा चारों राज्य सरकारों से आग्रह है कि वे इस दिशा में विस्तृत चर्चा कर एक खाका तैयार करें ताकि गोविंद गुरु का स्मृति स्थल पूरे विश्व में अपनी पहचान बनाए।

इस कार्यक्रम को गुजरात में अगले कुछ सप्ताह एवं राजस्थान और मध्य प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से भारतीय जनता पार्टी द्वारा पहले आदिवासी समुदाय तक पहुंच कायम करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भील और अन्य जनजातियों ने अंग्रेजों से बीच लंबे समय तक लोहा लिया। उसके मुताबिक मानगढ़ पहाड़ी पर 17 नवंबर 1913 को गोविंद गुरु के नेतृत्व में 1.5 लाख से अधिक भीलों ने सभा की, अंग्रेजों ने इस सभा पर गोलियां चलाईं, जिससे लगभग 1500 आदिवासी शहीद हुए।

मोदी की इस यात्रा से गुजरात के उत्तरी हिस्सों में विधानसभा क्षेत्रों पर असर पड़ने की संभावना है । राज्य में साल के आखिर तक विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। राजस्थान में आठ जिले - बांसवाड़ा, डूंगरपुर, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, राजसमंद, सिरोही, प्रतापगढ़ और पाली - अनुसूचित क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं, जिसमें कुल 37 विधानसभा क्षेत्र हैं। उनमें 21 पर फिलहाल भाजपा और 11 पर कांग्रेस का कब्जा है। बाकी दो विधानसभा सीटें भारतीय ट्राइबल पार्टी के पास हैं एवं तीन पर निर्दलीय काबिज हैं।

मोदी ने कहा,देश में आदिवासी समाज का विस्तार और उसकी भूमिका इतनी बड़ी है कि हमें उसके लिए समर्पित भाव से काम करने की जरूरत है। राजस्थान और गुजरात से लेकर पूर्वोत्तर और ओडिशा तक, विविधता से भरे आदिवासी समाज की सेवा के लिए आज देश स्पष्ट नीतियों के साथ काम कर रहा है। उन्होंने कहा , वनबंधु कल्याण योजना के जरिए आज जनजातीय आबादी को पानी, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसरों से जोड़ा जा रहा है। आज देश में वनक्षेत्र भी बढ़ रहे हैं, वन-संपदा भी सुरक्षित की जा रही हैं और आदिवासी क्षेत्र डिजिटल इंडिया से भी जुड़ रहे हैं।

पारंपरिक कौशल के साथ-साथ आदिवासी युवाओं को आधुनिक शिक्षा के भी अवसर मिलें, इसके लिए एकलव्य आवासीय विद्यालय भी खोले जा रहे हैं। इससे पहले गहलोत ने कहा कि उन्हें खुशी है कि प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में राजस्थान, गुजरात और मध्य प्रदेश के मुख्य सचिवों से धाम के बारे में बात की। उन्होंने कहा, इसका मतलब यह है कि यह आपके दिमाग में था और आपने सोचा था कि आपको अपनी यात्रा से पहले इसके बारे में जानकारी होनी चाहिए। मैं आपसे फिर से मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने का आग्रह करता हूं।

भविष्य को देखते हुए वाटर गवर्नेंस सिस्टम की जरूरत : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली, 01 नवम्बर (एजेन्सी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जल के बिना जीवन की कल्पना को असंभव बताते हुए जल संरक्षण की दिशा में उपाय तेज करने की जरूरत पर बल दिया। राष्ट्रपति मुर्मू ने मंगलवार को यहां पांच दिन तक चलने वाले सातवें इंडिया वाटर वीक का उद्घाटन करते हुए कहा कि इस आयोजन में दुनिया भर के विशेषज्ञ, जल जैसे समसामयिक मुद्दे पर चर्चा करेंगे और इसके संरक्षण के उपाय सुझायेंगे। उन्होंने इस महत्वपूर्ण आयोजन के लिये जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत और उत्तर प्रदेश सरकार की सराहना की।

राष्ट्रपति ने कहा कि जल के बिना किसी भी जीवन की कल्पना असंभव है। भारतीय सभ्यता में तो जीवन में, और जीवन के बाद की यात्रा में भी जल का महत्व है। राष्ट्रपति मुर्मू ने ऋषि भागीरथ द्वारा पवित्र गंगा को जमीन पर लाने का दृष्टांत सुनाते हुए कहा कि अपने पुरखों को मोक्ष दिलाने के लिये भागीरथ ऋषि ने तपस्या की और गंगा नदी का पृथ्वी पर अवतरण हुआ।

मुर्मू ने कहा कि इस युग में कुछ लोगों को यह कहानी भले ही मिथक लगे, पर इसका सार जीवन में जल के महत्व को इंगित करता है। भारतीय सभ्यता में पानी को दैव रूप में जाना जाता है। यही वजह है कि पानी के समस्त स्रोतों को पवित्र माना गया है। लगभग हर धार्मिक स्थल, नदी के तट पर स्थित हैं। ताल, तलैया और पोखरों का स्थान, समाज में पवित्रता का होता रहा है। पर वर्तमान समय पर, नजर डालें तो कई बार स्थिति चिंताजनक लगती है। बढ़ती हुई जनसांख्या के कारण नदियों और जलाशयों की हालत क्षीण हो रही है, गांवों के पोखरे सूख रहे हैं, कई स्थानीय नदियां विलुप्त हो गयी हैं। कृषि और उद्योगों में जल का दोहन जरूरत से ज्यादा हो रहा है। धरती पर पर्यावरण संतुलन बिगड़ने लगा है।

राष्ट्रपति ने कहा कि मौसम का मिजाज बदल रहा है और बेमौसम अतिवृष्टि अब आम बात हो गयी है। इस तरह की परिस्थिति में पानी के प्रबंधन पर विचार-विमर्श करना बहुत ही सराहनीय कदम है। इसके कई पहलू हैं। मिसाल के तौर पर कृषि क्षेत्र में विविधता के साथ ऐसी फसलें उगाई जायें जिनमें पानी की खपत कम हो। गुजरात का सौराष्ट्र क्षेत्र अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण जल के अभाव वाला क्षेत्र था। जल प्रबंधन के उपायों को देखते हुए अब उस इलाके की तस्वीर बिल्कुल बदल गयी है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने इस तरह के प्रयोग पूरे देश में किये जाने के सरकार के उपायों की सराहना करते हुए लोगों को भी जल प्रबंधन के लिये जागरूक करने को समय की मांग बताया। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि इस आयोजन में होने वाले विचार मंथन से जो अमृत निकलेगा, वह इस पृथ्वी के और मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करेगा। मैं आम लोगों, किसानों, उद्योगपतियों और विशेषकर बच्चों से यह अपील करूंगी कि वे जल संरक्षण को अपने आचार-व्यवहार का हिस्सा बनायें। क्योंकि ऐसा करके ही हम आने वाली पीढ़ियों को एक बेहतर और सुरक्षित कल दे सकेंगे।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी जल संरक्षण एवं जल प्रबंधन को समय की मांग बताते हुए इस आयोजन को सार्थक पहल बताया। योगी ने उत्तर प्रदेश में जल प्रबंधन की दिशा में किये जा रहे उपायों और इनके सार्थक परिणामों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड जैसे प्रदेश के सर्वाधिक सूखा प्रभावित इलाके में इस साल दिसंबर तक हर घर में नल से पानी पहुंचने लगेगा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि नमामि गंगे परियोजना के भी अब बेहतरीन परिणाम मिलने लगे हैं। जिकी वजह से अब गंगा में डाल्फिन मछली दिखाई देने लगी हैं। कानपुर में गंगा का सबसे नाजुक बिंदु बन चुका 'क्रिटिकल प्वाइंट' अब 'सेल्फी प्वाइंट' बन चुका है।

एमसीडी चुनाव से पहले पीएम मोदी आज दिल्ली में सौंपेंगे 3024 ईडब्ल्यूएस फ्लैटों की चाबी

राजेश अलख

नई दिल्ली, 01 नवम्बर । दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) चुनाव से पहले भाजपा एक बड़ा दांव चलने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार शाम को एक इन-सीटू झुग्गी पुनर्वास परियोजना के हिस्से के रूप में दिल्ली में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के 3,024 नवनिर्मित फ्लैटों का उद्घाटन करेंगे।

पीएमओ की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि यहां विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान, भूमिहिन कैम्प में झुग्गीवासियों को भी फ्लैटों की चाबियां सौंपी जाएंगी, जिससे उन्हें मालिकाना हक मिलने के साथ ही उनमें सुरक्षा की भावना आएगी।

इसमें कहा गया है कि 376 झुग्गी झोपड़ी बस्तियों में इन-सीटू झुग्गी पुनर्वास दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा सभी के लिए आवास प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप किया जा रहा है। पुनर्वास परियोजना का उद्देश्य झुग्गी-झोपड़ी समूहों के निवासियों को उचित सुविधाओं और सुविधाओं के साथ एक बेहतर और स्वस्थ रहने का माहौल प्रदान करना है। चरण- के तहत बने इन 3,024 फ्लैटों का निर्माण लगभग 345 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है और ये किचन में विट्रिफाइड फ्लोर टाइल्स, सिरेमिक टाइल्स और उदयपुर ग्रीन मार्बल काउंटर जैसी सुविधाओं से लैस हैं।

दिल्ली में 'गंभीर' श्रेणी में वायु गुणवत्ता

नई दिल्ली, 01 नवम्बर (एजेन्सी)। राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता मंगलवार को 'गंभीर' श्रेणी में प्रवेश कर गई। सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च (सफर) के आंकड़ों के मुताबिक, शहर का समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 400 को पार कर गया और आशंका है कि बुधवार को भी ऐसा ही रहेगा।

नरेला क्षेत्र में मंगलवार शाम को पीएम 2.5 का स्तर 448 दर्ज किया गया। शहर में हवा की गुणवत्ता में गिरावट के साथ, शहर भर के कुछ क्षेत्रों में कार्बन मोनोऑक्साइड (सीओ) के स्तर में वृद्धि हुई है, जिससे बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए खतरा पैदा हो गया है। वायु गुणवत्ता की गंभीर श्रेणी में आपातकालीन स्थितियों की स्वास्थ्य चेतावनी और आम जनता में श्वसन संबंधी प्रभावों के गंभीर जोखिम होते हैं।

शून्य और 50 के बीच एक्यूआई 'अच्छा', 51 और 100 'संतोषजनक', 101 और 200 'मध्यम', 201 और 300 'खराब', 301 और 400 'बहुत खराब', और 401 और 500 'गंभीर' माना जाता है।

पूसा में, एक्यूआई 426 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज किया गया था, जबकि पीएम 10 को 'बहुत खराब' श्रेणी के तहत 341 पर दर्ज किया गया था। लोधी रोड पर, पीएम 2.5 एकाग्रता के साथ वायु गुणवत्ता सूचकांक 'बहुत खराब' श्रेणी के तहत 376 पर था और पीएम 10 'बहुत खराब' श्रेणी के तहत 305 पर था। आयानगर में, पीएम 2.5, 406 या 'गंभीर' श्रेणी में था, जबकि पीएम 10, 404 पर पहुंच गया, वह भी 'गंभीर' श्रेणी में। शहर के मथुरा रोड पर वायु गुणवत्ता सूचकांक भी 'गंभीर' श्रेणी में था, जिसमें पीएम 2.5 416 और पीएम 10 एकाग्रता 421 पर भी 'गंभीर' श्रेणी में था।

सफर के पूर्वानुमान के अनुसार, बुधवार को शहर की वायु गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में और पीएम 2.5 के साथ 412 और पीएम 10 की सांद्रता 426 पर 'गंभीर' श्रेणी के तहत और भी खराब हो जाएगी।

दिल्ली के पड़ोसी शहरों नोएडा का वायु गुणवत्ता सूचकांक 'गंभीर' श्रेणी के तहत 467 और 'बहुत खराब' श्रेणी के तहत 342 पर पीएम 10 की एकाग्रता थी, जबकि गुरुग्राम का एक्यूआई 393 पर 'बहुत खराब' श्रेणी के तहत पीएम 10 की सांद्रता 287 पर 'खराब' श्रेणी के तहत दर्ज किया गया था।

पूर्वोत्तर में लगातार सुधर रहे हैं हालात, पूर्वी कमान ने कहा- हर परिस्थिति से निपटने में सक्षम

गुवाहाटी, 01 नवम्बर (एजेन्सी)। पूर्वोत्तर में अब लगातार हालात सुधर रहे हैं। कई राज्यों के कई जिलों से सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (अफस्पा) को पिछले दिनों हटाया गया है। पूर्वी कमान पांच विदेशी सीमाओं के साथ सीमा साझा करता हैं, हर तरफ पूरी नजर है और हर परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार है। इसके साथ ही सेना अपने सामाजिक दायित्वों का भी बखूबी निर्वहन कर रही है। यह बात आज मुख्यालय पूर्वी कमान की 102वीं स्थापना दिवस पर विजय स्मारक पर वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पूर्वी कमान प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल आरपी कलिता ने कही।

इस दौरान पूर्वी सेना कमांडर ने आश्वासन दिया कि कमान हर समय सक्रिय रूप से तैयार है और किसी भी वर्तमान या भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए अपनी क्षमताओं को विकसित करना जारी रखेगी।

उन्होंने मुख्यालय पूर्वी कमान के सभी अधिकारियों, सैनिकों और रक्षा नागरिक कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं। कमान के स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्यालय के सभी कर्मियों के अथक प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने सभी से भारतीय सेना की सच्ची परंपराओं में समर्पण और भक्ति के साथ काम करना जारी रखने का आह्वान किया।

कलिता ने कहा, सेना के जवानों में तनाव से जो घटनाएं घट रही है, उनमें कमी आई है। इस पर हम विशेष तौर पर काम कर रहे हैं। हमारी कोशिश रहती है कि ऐसे जवानों को तुरंत काउंसिलिंग दी जाए और फिर तुरंत उनका उपचार किया जाए। इस पर हम लगातार काम कर रहे हैं और इससे घटनाओं में कमी आई है।

पूर्वी कमान लोगों के जीवन में सार्थक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ऑपरेशन सद्भावना और ऑपरेशन सामरितन जैसी योजनाओं ने स्थानीय आबादी के जीवन पर एक अमिट प्रभाव छोड़ा है।

चाहे मानवीय सहायता हो, आपदा राहत अभियान हो या कानून-व्यवस्था बहाल करना, कमान ने अपनी सेवा से विश्वास को और मजबूत किया है।

मोदी को अभी गुजरात में मोरबी जैसे कई पुलों का उद्घाटन करना है : खड़गे

हैदराबाद, 01 नवम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस का अध्यक्ष बनने के बाद अपने पहले सार्वजनिक संबोधन में मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस राहुल गांधी के नेतृत्व में गैर भाजपाई सरकार देगी। पार्टी के शीर्ष पद पर चुने जाने के बाद यहां भारत जोड़ो यात्रा' में शामिल हुए खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए उन पर हर दिन झूठ फैलाने का आरोप लगाया, जो लंबे समय में देश को बर्बाद कर सकता है।

एक जनसभा को संबोधित करते हुए खड़गे ने कहा, अगर कोई गैर भाजपाई सरकार लाएगा तो राहुल गांधी के नेतृत्व में, कांग्रेस के नेतृत्व में हम यह करेंगे। कांग्रेस नेता ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा' को भारी संख्या में युवाओं का समर्थन मिल रहा है क्योंकि मोदी 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान किए गए दो करोड़ नौकरियों के वादे को पूरा करने में विफल रहे हैं। खड़गे ने कहा कि गुजरात चुनाव की घोषणा में विलंब हुआ क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी को मोरबी में गिरे पुल जैसे और पुलों का उद्घाटन करना है।

खड़गे ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव पर निशाना साधा और उन पर खुद के लिए राष्ट्रीय भूमिका पर नजर रखते हुए राज्य के लोगों के कल्याण की अनदेखी करने का आरोप लगाया। खड़गे ने कहा, केसीआर अन्य राज्यों का दौरा कर रहे हैं और नेताओं से मिल रहे हैं। वह कोलकाता, फिर पंजाब, तमिलनाडु और बिहार गए। पहले अपना घर तो देख लीजिए। उन्होंने कहा, अपने कार्यों से आप उस पार्टी को कमजोर कर रहे हैं जो कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक जिंदा है और भाजपा से लड़ने को तैयार है।

खड़गे ने आरोप लगाया कहा, अगर आप भाजपा के खिलाफ हैं तो आपने कृषि कानूनों पर उनका समर्थन क्यों किया ? वह (केसीआर) गैर-भाजपा सरकार के पक्ष में होने का दावा करते हैं, लेकिन उनके साथ मिलकर काम कर रहे हैं। खड़गे ने कहा,तेलंगाना के लोगों के समर्थन के कारण केसीआर की सरकार है। लेकिन वे सब कुछ नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं। केसीआर और मोदी में कोई अंतर नहीं है, दोनों साथ हैं। अपराह्न में यहां पहुंचे खड़गे नेकलेस रोड' पर इंदिरा गांधी के प्रतिमा स्थल पर आयोजित नुक्कड़ सभा में शामिल हुए। यह आज के लिये यात्रा का अंतिम पड़ाव था।

चारमीनार इलाके में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद राहुल गांधी, अन्य नेताओं, पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों की भीड़ के साथ नेकलेस रोड पर पहुंचे। कुछ मिनटों बाद खड़गे मंच पर पहुंचे और दोनों नेताओं ने एक-दूसरे को गले लगाया। नुक्कड़ सभा में भारी भीड़ देखी गई और जो लोग मंच के करीब पहुंचने में असमर्थ थे उनके लिए बड़ी स्क्रीन लगाई गई थीं जिससे वह दूर से इस कार्यक्रम को देख सकें। इससे पहले खड़गे 16 अक्टूबर को कर्नाटक के बेल्लारी में यात्रा में शामिल हुए थे।

वह बेल्लारी में गांधी के साथ यात्रा में शामिल हुए थे और बाद में वहां एक जनसभा को संबोधित किया था। कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए 17 अक्टूबर को हुए चुनाव में खड़गे और शशि थरूर मैदान में थे जिसमें खड़गे ने बाजी मारी। पदयात्रा शमशाबाद के मठ मंदिर से शुरू हुई और अपराह्न में विश्राम के लिए हैदराबाद के बहादुरपुर के लेगेसी पैलेस' में कुछ देर रुकी। बोवेनपल्ली के गांधी विचारधारा केंद्र' में रात्रि विश्राम किया जाएगा।

'भारत जोड़ो यात्रा' में शामिल हुई रोहित वेमुला की मां

हैदराबाद, 01 नवम्बर (एजेन्सी)। राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा के 55वें दिन मंगलवार को हैदराबाद में प्रवेश किया। राहुल के साथ इस मार्च में शामिल होने वालों में हैदराबाद विश्वविद्यालय के दलित छात्र रोहित वेमुला की मां राधिका भी शामिल थीं। वेमुला की आत्महत्या के बाद 2016 में खूब विरोध प्रदर्शन हुए थे। विरोध प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी ने खुद हैदराबाद कैंपस का दौरा किया था। अब अपनी भारत जोड़ो यात्रा में रोहित वेमुला की मां के साथ मुलाकात के बाद राहुल ने उनकी तस्वीरें शेयर की हैं।

राहुल गांधी ने कथित उत्पीड़न के बाद 2016 में आत्महत्या करने वाले दलित छात्र रोहित वेमुला को सामाजिक भेदभाव और अन्याय के खिलाफ अपने संघर्ष का प्रतीक बताया।

राधिका यात्रा के प्रात:कालीन चरण में गांधी के साथ कुछ समय के लिए चलीं। राधिका वेमुला ने ट्वीट किया, भारत जोड़ो यात्रा के प्रति एकजुटता दिखाई। राहुल गांधी के साथ चली और कांग्रेस से संविधान को भाजपा-आरएसएस (भारतीय जनता पार्टी-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) के हमले से बचाने, रोहित वेमुला को न्याय दिलाने, रोहित अधिनियम पारित कराने, उच्च न्यायपालिका में दलितों का प्रतिनिधित्व बढ़ाने, सभी के लिए शिक्षा सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

राहुल गांधी ने वेमुला की मां के साथ मुलाकात के बाद ट्वीट किया, रोहित वेमुला सामाजिक भेदभाव और अन्याय के विरुद्ध मेरे संघर्ष का प्रतीक है और रहेगा। उन्होंने कहा, रोहित की माताजी से मिलकर यात्रा के लक्ष्य की ओर बढ़ रहे कदमों को नया साहस और मन को नई शक्ति मिली।

कांग्रेस ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर और पार्टी के कई नेताओं ने अपने ट्विटर खातों पर भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राधिका वेमुला के गांधी के साथ चलने की तस्वीरें साझा कीं। रोहित (26) की 17 जनवरी, 2016 को मौत हो गई थी। इस घटना ने उच्च शिक्षा संस्थानों में जातिवाद के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन छेड़ दिया था।

मध्य प्रदेश में लागू होगा 'पेसा एक्ट' : सीएम शिवराज

भोपाल, 01 नवम्बर (एजेन्सी)। राजस्थान में आयोजित मानगढ़ धाम की गौरव गाथा कार्यक्रम के दौरान मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती से मध्य प्रदेश में पेसा एक्ट लागू किया जायेगा।

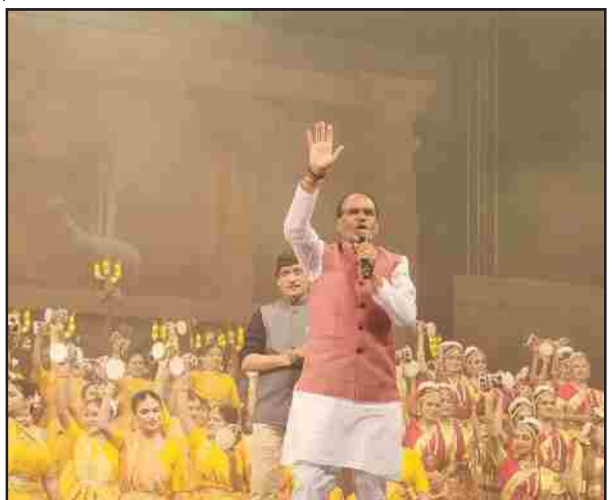

दरअसल सीएम शिवराज ने मानगढ़ धाम की गौरव गाथा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवम्बर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। मध्य प्रदेश इस अवसर पर जनजातीय भाई-बहनों के कल्याण के लिए पेसा एक्ट लागू करने जा रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने मानगढ़ के जनजातीय नायकों के सम्मान और उनकी पहचान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रभावी कार्य किया है।

नायकों के बलिदान स्थल पर स्मारक बनाने का निर्णय, शहीदों के प्रति वास्तविक श्रद्धांजलि है। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा शहीदों के पूजन की परम्परा को पुन: आरंभ किया गया है।

मुख्यमंत्री शिवराज ने कहा कि मध्य प्रदेश की धरती पर भी भीमा नायक, टंट्या मामा, रघुनाथ शाह-शंकर शाह जैसे जनजातीय नायकों की स्मृति में स्मारक बनाने का कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के कई शहीद ऐसे थे, जिनका बलिदान सामने नहीं आ पाया। मानगढ़ में गोविंद गुरू ने अपने धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए अंग्रेजों की चुनौती को स्वीकार किया और 1500 से अधिक वीरों ने बलिदान दिया। प्रधानमंत्री मोदी का बलिदान स्थल पर स्मारक बनाने का निर्णय अभिनंदनीय है।

मध्य प्रदेश से बड़ी संख्या में जनजातीय भाई-बहन मानगढ़ धाम को प्रणाम करने आए हैं। यह लोग मानगढ़ धाम की माटी से अपने भाल पर तिलक करें और इस बलिदानी माटी को अपने गांव भी ले जाए। मानगढ़ धाम बलिदान की धरती है।

शाह ने दोबारा सत्ता में आने का नारा दोहराया, नशा मुक्त हिमाचल का वादा

शिमला, 31 अक्टूबर (एजेन्सी)। राज्य को नशा मुक्त बनाने का वादा करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोगों से हिमाचल प्रदेश में भाजपा सरकार को दोहराने का आग्रह किया।

केंद्रीय गृह मंत्री ने चंबा जिले के भटियात विधानसभा क्षेत्र के सिहुंटा में एक चुनावी रैली में कहा, हिमाचल में भाजपा सरकार को दोहराएं और हम राज्य को नशा मुक्त बनाएंगे। लोगों से हर पांच साल में सरकार बदलने की परंपरा को छोड़ने का आग्रह करते हुए शाह ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस हमेशा टोपी पहनने पर राजनीति करती है।

वह एक दिन पहले कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी की अपील का अप्रत्यक्ष रूप से जवाब दे रहे थे, जिसमें मतदाताओं से भाजपा को सत्ता से बेदखल करने के लिए कहा गया था। प्रियंका ने मंडी शहर में एक चुनावी रैली में कहा था, हर पांच साल में सरकार बदलना लोगों के लिए अच्छा है। गांधी परिवार की आलोचना करते हुए शाह ने कहा कि कांग्रेस मां-बेटे की पार्टी है, जबकि भाजपा ने चाय वाले को प्रधानमंत्री बनने का मौका दिया है।

अपने संबोधन के दौरान अमित शाह ने कहा कि, डबल इंजन सरकार ने राज्य को कई बुनियादी ढांचा परियोजनाएं दी हैं। हमने नालागढ़ में एक मेडिकल डिवाइस पार्क बनाया है जो 10,000 लोगों को रोजगार देगा। हमने अटल सुरंग भी बनाई है जो पूरे साल पर्यटन को बढ़ावा देगी। क्योंथल राज्य के पूर्व शाही परिवार से ताल्लुक रखने वाली राज्य कांग्रेस इकाई की प्रमुख प्रतिभा सिंह पर तंज कसते हुए शाह ने कहा, अब यह राजाओं और रानियों का युग नहीं है, यह जनता का युग है।

लोगों से मौजूदा सरकार को एक और मौका देने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि इस बार 'रिवाज बदलेगा' (चुनावी परंपराएं बदल जाएंगी)। शाह ने कहा- वह कहते हैं कि हिमाचल की एक परंपरा है। एक बार कांग्रेस और अगली बार भाजपा। इस बार परंपरा बदल जाएगी, एक बार भाजपा और हर बार भाजपा है। माताओं, बहनों और युवाओं का उत्साह बता रहा है कि प्रदेश की जनता ने हिमाचल की प्रगति और विकास के लिए फिर से भाजपा को चुनने का मन बना लिया है।

अकाली दल का दोहरा संविधान विवाद: सुप्रीम कोर्ट ने बादल के खिलाफ कार्यवाही पर रोक लगाई

नई दिल्ली, 01 नवम्बर (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के दोहरे गठन के विवाद में सुखबीर सिंह बादल, प्रकाश सिंह बादल और दलजीत सिंह चीमा के खिलाफ दर्ज जालसाजी और धोखाधड़ी के कथित मामले में पंजाब की होशियारपुर अदालत के समक्ष कार्यवाही पर रोक लगा दी।

न्यायमूर्ति एस अब्दुल नजीर और न्यायमूर्ति वी. रामसुब्रमण्यम की पीठ ने अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, होशियारपुर के समक्ष आपराधिक शिकायत की कार्यवाही पर नोटिस जारी किया और कार्यवाही पर रोक लगा दी। होशियारपुर निवासी बलवंत सिंह खेरा ने 2009 में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष एक आपराधिक शिकायत दर्ज की थी, जिसमें एसएडी पर दो अलग-अलग संविधान प्रस्तुत करने का आरोप लगाया गया था। एक गुरुद्वारा चुनाव आयोग (जीईसी) के साथ और दूसरा भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) के साथ एक राजनीतिक दल के रूप में मान्यता प्राप्त करने के लिए।

याचिकाकर्ता- सुखबीर सिंह बादल, प्रकाश सिंह बादल और दलजीत सिंह चीमा- ने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया, जिसने शिकायत को रद्द करने की उनकी याचिका को खारिज कर दिया।

सुखबीर सिंह बादल की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आरएस चीमा पेश हुए, वरिष्ठ अधिवक्ता के.वी. विश्वनाथन प्रकाश सिंह बादल की ओर से पेश हुए, जिनकी सहायता करंजावाला एंड कंपनी के अधिवक्ताओं ने की। दलजीत सिंह चीमा की ओर से अधिवक्ता संदीप कपूर पेश हुए। यह याचिका करंजावाला एंड कंपनी ने दायर की थी। अदालत के समक्ष यह तर्क दिया गया कि धार्मिक होना धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों के विपरीत नहीं है और केवल इसलिए कि एक राजनीतिक संगठन गुरुद्वारा समिति का चुनाव लड़ रहा है इसका मतलब यह नहीं है कि वह धर्मनिरपेक्ष नहीं है। इसलिए चुनाव आयोग और जीईसी (गुरुद्वारा चुनाव आयोग) के समक्ष दायर पार्टी के संविधान पर जालसाजी और धोखाधड़ी के आरोपों के साथ आपराधिक मामले का कोई आधार नहीं है।

आपराधिक शिकायत इस आरोप पर आधारित थी कि पार्टी ने एक धर्मनिरपेक्ष पार्टी होने का दावा किया है और चुनाव आयोग के समक्ष दायर अपने संविधान में धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों का पालन करने की घोषणा की है, जबकि वह एक धार्मिक निकाय, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के लिए चुनाव लड़ती है, धार्मिक पार्टी होने के नाते।

सुखबीर द्वारा दायर याचिका में कहा गया है- उच्च न्यायालय इस बात की सराहना करने में विफल रहा कि अधिनियम (जन प्रतिनिधित्व अधिनियम) की धारा 29-ए (5) के संदर्भ में अभिव्यक्ति 'धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के प्रति निष्ठा' को परिभाषित नहीं किया गया है और धर्मनिरपेक्षता का क्या अर्थ है, इस पर एक व्यक्तिपरक ऑष्टिकोण है। धार्मिक होने को अधिनियम का विरोधाभासी या दंडनीय अपराध नहीं बनाता है।

पंचायत चुनाव के लिए ईवीएम की कमीशनिंग शुरु

अनुगामिनी नि.सं.

सोरेंग, 01 नवम्बर । आसन्न पंचायत चुनाव के सुचारू परिचालन हेतु आज सोरेंग गवर्नमेंट बीएड कॉलेज स्थित जिला नियंत्रण कक्ष में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की कमीशनिंग शुरू हुई। जिला कलेक्टर सह रिटर्निंग अधिकारी भीम ठटाल के साथ सहायक रिटर्निंग अधिकारी धीरज सुबेदी, सोरेंग एडीसी गायस पेगा, एडीसी विकास रंजन राई, सोरेंग एसडीएम और एसडीएम मुख्यालय डीआर बिष्ट की टीमों ने इसका निरीक्षण किया।

इस अवसर पर डीसी भीम ठटाल ने अधिकारियों को ईवीएम प्रदर्शनों के दौरान सावधान और चौकस रहने के साथ ही प्रदान की गई चेकलिस्ट के अनुसार मशीनों की पूरी तरह जाँच करने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को मशीनों के शुरू होने के पहले अपनी सभी शंकाओं को दूर कर लेने को भी कहा। वहीं सहायक रिटर्निंग अधिकारी सह एसडीएम सोरेंग रंजन राई ने भारत इलेक्ट्रिकल लिमिटेड (बीईएल) के इंजीनियरों के साथ ईवीएम की कंट्रोल और बैलेट यूनिटों की कार्यप्रणाली और तकनीक का प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि मतदान आरम्भ होने से पहले इन दोनों यूनिटों का भौतिक सत्यापन जरूरी है। साथ ही उन्होंने ईवीएम को सील करने की सही प्रक्रिया के बारे में भी बताया गया।

दूसरी ओर गेजिंग जिलान्तर्गत ही मार्तम प्रखंड के 13 माइल बर्मेक सामुदायिक केंद्र में पीठासीन एवं मतदान अधिकारियों के अंतिम चरण के प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संचालन हेतु संयुक्त शिक्षा निदेशक छिरिंग पांजो शेरपा रिसोर्स पर्सन के रूप में उपस्थित थे। उनके साथ अधीक्षक बिजली अभियंता श्रीमती केएससी तोंग्देन लेप्चा और सेक्टर मजिस्ट्रेट सह ही मार्तम बीडीओ कैलाश गुरूंग भी थे।

इस अवसर पर शेर्पा ने प्रशिक्षुओं को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव हेतु सामूहिक प्रयास करने के लिए प्रेरित करते हुए प्रासंगिक पैकेट हैंडलिंग, अनिवार्य फॉर्म भरने, मॉक पोल के महत्व, पोस्टल बैलेट और सीलिंग प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से बताया। इसके अलावा प्रशिक्षण के व्यवहारिक प्रदर्शन के दौरान उन्होंने ईवीएम को संभालने के उचित तरीकों के बारे में समझाया।

वहीं एसई श्रीमती लेप्चा ने शिविर में मतदान के दिन याद रखी जाने वाली मुख्य बिंदुओं के साथ ही पीठासीन और मतदान अधिकारियों की विभिन्न महत्वपूर्ण भूमिकाओं और जिम्मेदारियों पर प्रकाश डाला। इसी तरह सेक्टर मजिस्ट्रेट सह ही मार्तम बीडीओ कैलाश गुरूंग ने चुनाव प्रक्रिया में संलग्न अधिकारियों से इसे नई चीजें सीखने के अवसर के तौर पर लेने का आग्रह किया।

उल्लेखनीय है कि सोरेंग जिले के 94 वार्डों में होने वाले चुनाव के लिए आज 12 चरणों में कमीशनिंग प्रक्रिया की गई। वहीं गेजिंग के प्रशिक्षण सत्र में कुल 135 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया।

फ्री योग क्लासेज बंद नहीं होने दूंगा : केजरीवाल

नई दिल्ली, 01 नवम्बर (एजेन्सी)। दिल्ली में फ्री योग क्लासेज जारी रहेंगी। इस संबंध में सीएम अरविंद केजरीवाल का कहना है कि मुझे घर-घर जाकर भीख भी मांगनी पड़ी, तो भीख मांगकर भी मैं योगा टीचर्स को पैसे दूंगा और दिल्ली के लोगों को योग कराऊंगा।

सीएम अरविंद केजरीवाल ने उपराज्यपाल पर निशाना साधते हुए कहा कि दिल्ली के हर अच्छे काम को रोकने की कोशिश की जा रही है। इन्होंने दिल्ली की दिवाली और रेड लाइट ऑन-गाड़ी ऑफ प्रोग्राम को रोक दिया। अब इनका अगला टारगेट मोहल्ला क्लीनिक और स्कूल हैं। ये दवाइयों और टेस्ट के टेंडर रोकने वाले हैं और गेस्ट टीचर व कच्चे कर्मचारियों को तंग करने वाले हैं, ताकि काम प्रभावित हो। मैं दिल्ली के लोगों को यकीन दिलाना चाहता हूं कि आप बिल्कुल चिंता मत करना। मैं आपके साथ खड़ा हू। बीजेपी और एलजी साहब दिल्ली के कामों में कितना भी अड़चन अड़ा लें, लेकिन मैं एक भी काम को रुकने नहीं दूंगा।

पिछले साल दिसंबर के महीने में 'दिल्ली की योगशाला' नामक कार्यक्रम शुरू किया था। जिसमें दिल्ली के अलग-अलग इलाकों के पार्कों या सार्वजनिक स्थानों पर 25 से ज्यादा लोग इकट्ठे होकर अगर दिल्ली सरकार को मिस्ड कॉल करें, तो दिल्ली सरकार एक प्रशिक्षक भेजती है और उनको प्रतिदिन फ्री में योग सिखाती और करवाती है। फिछले 11 महीनों से दिल्ली की योगशाला चल रही थी। करीब 590 स्थानों पर रोजाना योग की क्लासेज चलती थी। इनमें करीब 17 हजार लाभार्थी रोजाना आ रहे थे।

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मुझे बेहद दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि इन लोगों ने मिलकर आज से दिल्ली में योग की क्लासेज बंद करा दी है। 1 नवंबर की सुबह दिल्ली में मुफ्त योगा क्लासेज नहीं हुई। 17 हजार लाभार्थी योग करने से रह गए। जो लोग अस्थमा, पोस्ट कोविड कॉम्पलिकेशन से बीमारे थे वो योग करने से वंचित रह गए। इन्होंने कहा है कि आज के बाद से योग की क्लासेज नहीं होंगी। यह बेहद दुख की बात है। योग को कौन बंद करता है।

सीएम ने कहा कि मेरे पास योग की क्लासेज लेने वाले कई टीचरों के फोन आए। उन टीचरों ने कहा कि हम योग की क्लासेज बंद नहीं होनी चाहिए। हम बिना पेमेंट के क्लासेज करेंगे। मेरे पास देशभर से कई लोगों के फोन आए कि हम डोनेशन देंगे। हम योग की क्लासेज लेने वाले टीचरों की सैलरी देंगे, लेकिन आप योग की क्लासेज मत रोकिएगा।

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह योग की क्लासेज जारी रहेंगी। मेरी सभी टीचर्स से अपील है कि आप 2 नवंबर से योग की क्लासेज में जाइए और क्लासेज लीजिए। मुझे अगर कटोरा लेकर घर-घर जाकर भीख भी मांगनी पड़ेगी, तो मैं खुद जाकर लोगों से भीख मागूंगा और आपकी पेमेंट करूंगा। जो भी आपके चार्जेज हैं, उसे मैं दूंगा और योग की क्लासेज होंगी। योगा क्लासेज को रोका नहीं जाएगा। हमारा मकदस है सिर्फ 17 हजार लोगों को योग कराना नहीं है, बल्कि 17 लाख लोगों को योग कराएंगे और एक दिन हम दिल्ली के 2 करोड़ लोगों को योग करना सिखाएंगे। हम देखते हैं कि ये लोग कैसे रोकते हैं।

सीएम ने कहा कि ये लोग अपनी सत्ता का दुरूपयोग करके

रोकेंगे तो दिल्ली की जनता इसका जवाब देगी। अभी तो योगशाला दिल्ली में शुरू हुई है। मेरी पंजाब के सीएम भगवंत मान से भी बात हुई है। हम पंजाब के 3 करोड़ लोगों को भी योग सिखाएंगे। गुजरात में हमारी सरकार बनेगी, वहां भी हम लोगों को मुफ्त में योगा सिखाएंगे। मुझे पूरा यकीन है कि एक दिन ऐसा आएगा, जब हम देश के 130 करोड़ लोगों को फ्री में योग सिखाएंगे। केजरीवाल का कहना है कि पिछले कई महीनों से हम लोग देख रहे हैं कि दिल्ली के हर अच्छे काम को रोकने की कोशिश की जा रही है। इन्होंने दिल्ली की दिवाली नहीं होने दी। हर साल हम दिल्ली की दिवाली मनाया करते थे, लेकिन इस बार इन्होंने अफसरों पर दवाब डालकर दिल्ली की दिवाली नहीं होने दी।

आईडीबीआई बैंक ने एमटेक ऑटो लिमिटेड के पूर्व निदेशकों को 'फ्रॉड' घोषित किया

नई दिल्ली, 01 नवम्बर (एजेन्सी)। सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि आईडीबीआई बैंक ने 26 सितंबर को एमटेक ऑटो लिमिटेड के पूर्व प्रमोटरों/निदेशकों को 'फ्रॉड' घोषित किया था, और 4 अक्टूबर को आरबीआई को इसकी सूचना दी थी और उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया चल रही है, लेकिन कंपनी को फ्रॉड घोषित नहीं किया गया है।

सीबीआई ने एक हलफनामे में कहा कि उसने 19 बैंकों/वित्तीय संस्थानों से संपर्क किया है, जिनमें से आईडीबीआई बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, पीएनबी, एसबीआई और आईएफसीआई लिमिटेड ने खाते को धोखाधड़ी के रूप में घोषित करने की स्थिति और खाते को धोखाधड़ी के रूप में घोषित किए जाने की स्थिति में सीबीआई के पास शिकायत दर्ज करने के संबंध में उसके प्रश्न का उत्तर दिया है। एजेंसी ने कहा, उक्त पांच बैंकों में से केवल आईडीबीआई बैंक ने प्रस्तुत किया है कि उसने एमटेक ऑटो लेफ्टिनेंट के प्रमोटरों/निदेशकों को आरबीआई के साथ 4 अक्टूबर को धोखाधड़ी के रूप में घोषित किया है, हालांकि, उसने कंपनी को धोखाधड़ी के रूप में घोषित नहीं किया है।

हलफनामे में कहा गया है कि उसने सीबीआई को प्राथमिकी दर्ज करने में सक्षम होने के लिए बैंक को अपनी शिकायत में आवश्यक तथ्यों के साथ वापस जाने के लिए कहा है। इस साल 5 सितंबर को, सुप्रीम कोर्ट ने 27 से अधिक जनता और सरकार से 12,800 करोड़ रुपये की कथित आपराधिक चोरी और मनी लॉन्ड्रिंग में केंद्रीय एजेंसियों- सीबीआई, ईडी और एसएफआईओ द्वारा स्पष्ट निष्क्रियता का दावा करने वाली याचिका पर नोटिस जारी किया और और एमटेक ऑटो लिमिटेड द्वारा सूचीबद्ध बैंक और इसके प्रमोटरों, निदेशकों, लाभार्थियों, और प्रमुख प्रबंधकीय कर्मियों को 127 से अधिक संबंधित पार्टियों और कई बेनामीदारों की एक विस्तृत प्रणाली के माध्यम से।

शीर्ष अदालत इस मामले की सुनवाई 3 नवंबर को कर सकती है। सीबीआई ने याचिका के जवाब में कहा कि आईडीबीआई बैंक ने 18 अक्टूबर को ईमेल के माध्यम से अपने जवाब में उसे सूचित किया कि आईडीबीआई बैंक ने एमटेक ऑटो लिमिटेड के पूर्व प्रमोटरों/निदेशकों को 26 सितंबर, 2022 को 'धोखाधड़ी' के रूप में घोषित कर दिया और 04 अक्टूबर, 2022 को आरबीआई को इसकी सूचना दी। इस विशिष्ट सवाल के जवाब में कि क्या आईडीबीआई बैंक लिमिटेड या किसी अन्य कंसोर्टियम सदस्य बैंकों द्वारा किसी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के समक्ष शिकायत दर्ज की गई है, आईडीबीआई ने इसका जवाब 'प्रक्रिया में' के रूप में दिया।

सीबीआई ने कहा: आगे, आईडीबीआई बैंक ने 25 अक्टूबर, 2022 के अपने ई-मेल के माध्यम से कुछ स्पष्टीकरण प्रस्तुत किए, जैसा कि सीबीआई ने मांग की थी कि बैंक कंपनी के पूर्व प्रमोटर / निदेशकों, अरविंद धाम (एमटेक ऑटो लिमिटेड के प्रमोटर / निदेशक), देशपाल सिंह मलिक (एमटेक ऑटो लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक) और गौतम मल्होत्रा (एमटेक ऑटो लिमिटेड के गैर-कार्यकारी निदेशक) के खिलाफ शिकायत को अंतिम रूप देने/दर्ज करने की प्रक्रिया में है।

इसमें कहा गया है कि कंपनी को तब से आईबीसी के तहत हल किया गया है और डेक्कन वैल्यू इन्वेस्टर्स (डीवीआई) ने तब से रिजॉल्यूशन ख्लान लागू किया है और एमटेक ऑटो लिमिटेड का प्रबंधन अपने हाथ में ले लिया है, इसलिए कंपनी को फ्रॉड घोषित नहीं किया गया है।

सीबीआई ने कहा कि मामले में चल रही एसएफआईओ जांच के मद्देनजर, आईडीबीआई बैंक ने विभिन्न ईमेल के माध्यम से यूनियन बैंक ऑफ इंडिया-यूबीआई (लीड बैंक) से इस मामले में विचार करने के लिए जेएलएम (संयुक्त ऋणदाताओं की बैठक) बुलाने का अनुरोध किया।

सीबीआई के हलफनामे में कहा गया है- यूबीआई की ओर से कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर आईडीबीआई बैंक ने एमटेक ऑटो के पूर्व प्रमोटर/निदेशक को धोखाधड़ी घोषित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी। धोखाधड़ी की घोषणा के बाद, एमटेक ऑटो लिमिटेड के पूर्व प्रमोटरों / निदेशकों की घोषणा की सूचना देने वाला एक पत्र आईडीबीआई बैंक द्वारा धोखाधड़ी के रूप में आईडीबीआई द्वारा 18 अक्टूबर, 2022 को यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई)-लीड बैंक को भेजा गया है, जिसमें यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुसार तत्काल आधार पर जेएलएम को कॉल करने की सलाह दी गई है। इसका उत्तर यूबीआई से अभी प्राप्त नहीं हुआ है। यूबीआई के किसी उत्तर के अभाव में, आईडीबीआई इस मामले में एक व्यक्तिगत शिकायत दर्ज करना चाहता है।

आईडीबीआई बैंक ने 25 अक्टूबर को अपने ई-मेल के माध्यम से सीबीआई को सूचित किया कि यह अग्रणी बैंक नहीं है और कार्यशील पूंजी (संघ) के लिए, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (तत्कालीन कॉर्पोरेशन बैंक) प्रमुख कंसोर्टियम सदस्य था, और सावधि ऋण के लिए, भारतीय स्टेट बैंक अग्रणी बैंक था। भारतीय स्टेट बैंक ने 21 अक्टूबर को ई-मेल के माध्यम से सीबीआई को सूचित किया कि बैंक के सक्षम प्राधिकारी ने खाते को कोई धोखाधड़ी नहीं के मामले के रूप में घोषित किया है और इसे आरबीआई द्वारा अपनी संपत्ति गुणवत्ता समीक्षा में 25 अगस्त 2015 से एनपीए घोषित किया गया है।

आईएएनएस से बात करते हुए, याचिकाकर्ता के वकील जय अनंत देहादारी ने कहा: सीबीआई का जवाब अनिश्चित शब्दों में इंगित करता है कि एमटेक का तत्कालीन शीर्ष प्रबंधन वास्तव में बैंकों को धोखा देने की एक बड़ी साजिश में शामिल था। तथ्य यह है कि आईडीबीआई ने आरबीआई को एमटेक के वर्गीकरण के बारे में सूचित किया है। निदेशकों को 'धोखाधड़ी' के रूप में अब आपराधिक न्याय तंत्र को गति में लाना होगा।

उन्होंने कहा कि जांच एजेंसी को अब सुप्रीम कोर्ट को यह बताना चाहिए कि वह मुखौटा कंपनियों की कई परतों से जुड़ी बड़ी साजिश को उजागर करने के लिए क्या कदम उठा रही है, जिनका इस्तेमाल हजारों करोड़ के सार्वजनिक धन के अपराध की आय को छिपाने के लिए किया गया था।

युवक ने की दादी की हत्या, गिरफ्तार

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 01 नवम्बर । सिक्किम के रंगपो में मंगलवार को अपनी दादी की हत्या के आरोप में 27 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया।

उस व्यक्ति ने मंगलवार सुबह करीब 11 बजे मांझीगांव हाउसिंग कॉलोनी में अपने घर पर कथित तौर पर अपनी दादी का गला काट दिया और मौके से भागने की कोशिश की। लेकिन उसकी बहन के शोर मचाने पर ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया।

पुलिस ने कहा कि वह डर के मारे रंगपो नदी में कूद गया था, लेकिन स्थानीय लोगों ने उस पर काबू पा लिया। पुलिस ने कहा कि आरोपी ने अपना अपराध कबूल कर लिया है और पूछताछ के दौरान उसने कहा कि उसने ऐसा इसलिए किया क्योंकि वह अपनी दादी की लगातार मारपीट से नाराज था। पुलिस ने कहा कि उसने यह भी दावा किया कि अपराध सुनियोजित नहीं था।

यूपी में स्टार्टअप .....

उसे बाजार में लांच करने की आर्थिक मदद अलग-अलग दी जाएगी। प्रदेश में अभी तीन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस हैं, जिनमें पीजीआई में मेडिटेक सीओआई संचालित है। आईआईटी कानपुर के नोएडा परिसर में एआई और आईआईटी कानपुर परिसर में ड्रोन सेंटर ऑफ एक्सीलेन्स की स्थापना के प्रस्ताव पर राज्य स्तरीय समिति की संस्तुति पर कार्य शुरू हो गया है। इस समय प्रदेश में 52 सरकारी मान्यता प्राप्त इन्क्यूबेटर्स हैं और इनमें 7200 स्टार्टअप पंजीकृत हैं।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR TEESTA MORNING
TUESDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:101 DrawDate on:01/11/22
1st Prize ₹1 Crore/- 79L 24699
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 24699 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
01955 05729 08036 50475 73463 76310 89444 93077 93468 98447
3rd Prize ₹450/-
0527 0762 1051 3873 5458 5796 6254 6881 7035 9880
4th Prize ₹250/-
0314 1000 1608 2947 4336 4766 5124 6968 7131 8067
5th Prize ₹120/-
0072 0073 0114 0246 0443 0466 0675 0776 0851 0896
0908 0939 1009 1144 1373 1518 1594 1624 1695 1715
1792 1811 1847 2101 2209 2250 2543 2704 2807 2861
2972 3149 3230 3338 3345 3356 3417 3507 3524 3572
3649 3735 3781 3868 3939 3978 4123 4322 4417 4423
4658 4797 4833 4859 4936 5274 5322 5348 5511 5708
5834 5977 6143 6298 6333 6466 6648 6820 6861 6913
7047 7083 7115 7128 7182 7377 7422 7447 7456 7494
7496 7706 7790 7843 7961 7964 8076 8253 8549 8715
8754 9002 9008 9182 9295 9586 9630 9735 9753 9963
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR MOON TUESDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:101 DrawDate on:01/11/22
1st Prize ₹1 Crore/- 92B 90283
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 90283 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
04633 11107 25696 34351 59554 74054 74731 74991 84008 88690
3rd Prize ₹450/-
0161 0225 1106 1479 2608 4323 4413 6317 6470 7178
4th Prize ₹250/-
0318 2001 2757 3845 5044 5212 6254 8132 8234 8275
5th Prize ₹120/-
0030 0174 0223 0260 0784 0892 0966 1252 1281 1297
1374 1522 1596 1652 1868 1871 2086 2143 2174 2241
2284 2373 2392 2479 2683 2698 2896 2950 3017 3157
3197 3246 3323 3394 3746 3816 3879 3947 3949 4056
4155 4163 4169 4338 4438 4494 4528 4564 4598 4657
4686 4737 4829 4956 4993 5178 5403 5507 5610 5819
5890 6033 6047 6112 6557 6606 7001 7027 7054 7155
7373 7616 7643 7688 7712 7715 7829 7927 7989 8083
8102 8229 8255 8310 8420 8586 8780 8942 9132 9168
9185 9202 9498 9613 9616 9665 9712 9765 9923 9933
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR PARROT EVENING
TUESDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:201 DrawDate on:01/11/22
1st Prize ₹1 Crore/- 99A 64038
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 64038 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
30856 40991 44006 56905 62351 67084 72589 86667 87786 93233
3rd Prize ₹450/-
1251 2094 2271 3828 4059 4398 4496 6119 7053 8981
4th Prize ₹250/-
1399 1424 4266 4356 4773 7356 7603 8212 9097 9475
5th Prize ₹120/-
0067 0177 0267 0283 0541 0723 1139 1141 1142 1169
1177 1261 1678 1745 2041 2092 2178 2235 2256 2349
2376 2396 2424 2553 2575 2595 2667 2874 2880 3032
3062 3523 3628 3755 3809 3903 3942 3952 3960 4023
4079 4127 4156 4476 4489 4579 4620 4645 4689 4760
4844 4876 4943 4955 5038 5105 5170 5223 5249 5275
5358 5385 5622 5684 5689 5854 5870 6187 6298 6328
6473 6486 6554 6675 7024 7050 7099 7203 7385 7417
7495 7582 7703 7949 8001 8053 8468 8502 8661 8704
8886 9079 9204 9313 9315 9417 9473 9561 9625 9914
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

पुल टूटा, भरोसा न टूटे

गुजरात के मोरबी शहर में जिन हालात में एक सस्पेंशन ब्रिज टूट कर नदी में जा गिरा, वह हैरत में डालने वाला है। करीब 134 लोगों के मारे जाने की बात तो अभी कही जा रही है, लेकिन बहुत सारे लोग गायब हैं। मिली जानकारी के मुताबिक हादसे के वक्त पुल पर 400 से ज्यादा लोग थे। ऐसे में मरने वालों की संख्या और बढ़ जाए तो आश्चर्य नहीं। सरकार ने एक विशेष जांच दल का गठन कर दिया है। कहा जा रहा है कि जांच में जो भी दोषी पाए जाएंगे, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। मगर अपने देश में जांच समिति का गठन कठिन सवालों को टालने का एक जरिया बनता जा रहा है। इस मामले में भी पहली नजर में ही ऐसे बहुत सारे सवाल उठ रहे हैं, जिनके जवाब तत्काल सार्वजनिक तौर पर दिए जाने चाहिए।

अंग्रेजों के जमाने का यह ऐतिहासिक पुल मरम्मत के लिए बंद किया जाता है, और मरम्मत के लिए तय अवधि से पहले ही बिना स्थानीय प्रशासन की औपचारिक मंजूरी लिए और बिना फिटनेस सर्टिफिकेट हासिल किए खोल दिया जाता है, यह बात सार्वजनिक जानकारी में आ जाती है, लोग पुल पर पहले की तरह जाने लगते हैं, उनसे बाकायदा टिकट वसूला जाने लगता है, इसकी अधिकतम क्षमता सौ सवा सौ लोगों की बताए जाने के बावजूद चार सौ लोगों को पुल पर जाने की इजाजत दे दी जाती है- ये सब ऐसे तथ्य हैं जिन्हें न तो झुठलाया जा सकता है और न ही अनदेखा किया जा सकता है। हैरत की बात यह भी है कि गुजरात सरकार के कई सीनियर मंत्री जो घटनास्थल पर ही डेरा डाले हैं, वे भी सार्वजनिक तौर पर उठाए जा रहे इन सवालों के संतोषजनक जवाब देने के बजाय यह रस्मी वाक्य बोलकर काम चला रहे हैं कि जांच समिति गठित कर दी गई है और उसमें जो भी दोषी पाया जाएगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। सवाल यह है कि जो तथ्य रेकॉर्ड पर हैं उन्हें सार्वजनिक करने में क्या बाधा है? इस आग्रह का कारण यह है कि इतनी सारी अनियमितताएं सत्ताकेंद्रों की इजाजत के बगैर नहीं हो सकतीं। आखिर कोई मरम्मत कराने वाली कंपनी संबंधित सरकारी विभागों की इजाजत के बगैर पुल शुरू करने का फैसला कैसे कर सकती है अगर उसे ताकतवर लोगों का आशीर्वाद न हासिल हो? अगर मोरबी के लोगों को यह पता चल जाता है कि पुल खुल चुका है और वे टिकट लेकर पुल पर जाने लगते हैं तो यह कैसे संभव है कि नगरपालिका अधिकारियों को यह न पता हो। जाहिर है, या तो वे दबाव में हैं या फिर उनकी मिलीभगत है। ऐसे में संबंधित अधिकारियों के पद पर रहते हुए विश्वसनीय जांच की उम्मीद कैसे की जा सकती है? सरकार को समझना होगा कि यह पुल टूटने का एक स्थानीय मामला भर नहीं, देश की प्रशासनिक व्यवस्था की विश्वसनीयता बचाने का भी सवाल है।

कथनी करनी पर नजर

डॉ. शशांक द्विवेदी

सोशल मीडिया प्लेटफार्म और डिजिटल स्पेस कितना अहम हो गया है इसका अंदाजा ट्विटर की डील से दुनिया को हो गया है।

टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने ट्विटर का अधिग्रहण कर लिया है। एलन मस्क ने अप्रैल 2022 में ही ट्विटर को खरीदने का ऐलान किया था। लेकिन ऐलान के बाद इस डील में कई उतार चढ़ाव आए, मामला कोर्ट में भी गया था। आखिरकार ट्विटर को एलन मस्क ने खरीद ही लिया। ट्विटर का मालिक बनते ही दुनिया के सबसे अमीर शख्स मस्क ने ट्वीट कर कहा चिड़िया मुक्त हो गई, इस ट्वीट के कई मायनें हैं।

मस्क ने कहा है कि वह इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म ट्विटर का अधिग्रहण मानवता की सहायता करने के लिए कर रहे हैं। साथ ही वह नहीं चाहते कि इसका उपयोग ऐसे लोग करें जो बोलने से पहले उसके परिणामों के बारे में नहीं सोचते। कभी ट्विटर डील से पीछा छुड़ाने की कोशिश कर रहे मस्क अब खुलकर ट्विटर पर अपने अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए दिख रहे हैं। अधिग्रहण के तुरंत बाद सिंक के साथ ट्विटर के ऑफिस में कदम रखने वाले मस्क ने संकेत दे दिया कि वो बड़े बदलाव करने जा रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्विटर को प्रयोग करने के लिए अब पैसे भी देने पड़ सकते हैं। इसके साथ ट्विटर की कई पॉलिसीज में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है।

13 अप्रैल 2022 को मस्क ने ट्विटर खरीदने को 54.2 डालर प्रति शेयर के भाव से 44 अरब डालर में खरीदने का आफर दिया था। लेकिन तब स्पैम और फेक अकाउंट्स की वजह से उन्होंने उस डील को होल्ड पर रख दिया था। इसके बाद 8 जुलाई को मस्क ने डील तोड़ने का फैसला किया। इसके खिलाफ ट्विटर ने कोर्ट का रुख किया। लेकिन फिर अक्टूबर महीने की शुरुआत में मस्क ने अपना रुख बदला और डील को पूरी करने के लिए तैयार हो गए। मस्क ने ट्वीट कर कहा कि हमने ट्विटर से डील इसलिए भी की है, ताकि आने वाली पीढ़ी को कॉमन डिजिटल स्पेस मिल सके। यहां कई विचारधारा के लोग किसी भी तरह की हिंसा के बिना स्वस्थ चर्चा कर सकें। मस्क की आशंका थी कि आगे चलकर इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म्स लेफ्ट और राइट विंग के समर्थकों के बीच बंट जाएगा, इससे नफरत फैलेगी।

असल में मस्क एक ऐसी एल्गोरिदम बनाना चाहते हैं जिससे ट्विटर पर मौजूद सार्वजनिक सामग्री बेहतर रूप में दिख सके। मस्क ट्विटर पर स्पैम बॉट्स को हटाना चाहते हैं। हालांकि मस्क ने अभी तक अपने कार्ययोजना को लेकर कोई खास जानकारी उपलब्ध नहीं कराई है। मस्क के अनुसार उन्होंने अधिक पैसा बनाने के लिए ट्विटर नहीं खरीदा बल्कि मानवता की मदद करने की कोशिश करने के लिए, यह अधिग्रहण सौदा किया है। लेकिन दूसरी तरफ मस्क ने साफ कर दिया है कि उनकी योजना कंपनी के कर्मचारियों में कटौती करने की है। जिससे ट्विटर के लगभग 7,500 कर्मचारियों के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो जाएगा।

फिलिहाल ट्विटर में छंटनी और इस्तीफों का दौर जारी है। उन्होंने ट्विटर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पराग अग्रवाल, मुख्य वित्तीय अधिकारी नेड सेगल और कानूनी मामलों और नीति प्रमुख विजया गड्डे को बाहर का रास्ता दिखाया। मस्क ने आरोप लगाया कि अग्रवाल समेत कई शीर्ष अधिकारियों ने उन्हें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फर्जी खातों की संख्या को लेकर गुमराह करने की कोशिश की। पराग अग्रवाल को पिछले साल नवंबर में कंपनी के सह-संस्थापक जैक डोर्सी के इस्तीफे के बाद ट्विटर का सीईओ नियुक्त किया गया था। पिछले साल ट्विटर के सीईओ नियुक्त किए गए अग्रवाल की मस्क के साथ सार्वजनिक और निजी रूप से कहासुनी हो गई थी। मस्क ने कंटेंट मॉडरेशन (ऑनलाइन सामग्री की निगरानी और छंटनी की प्रक्रिया) को लेकर हुए निर्णयों के मामले में पराग की भूमिका की भी सार्वजनिक तौर पर आलोचना की थी।

असल में पिछले कुछ समय से दुनियां धुर दक्षिणपंथी और वामपंथी धड़ों के बीच बंट गई है। मस्क ने कहा, सभ्यताओं के विकास के लिए एक साझा प्लेटफॉर्म होना जरूरी है, जहां हिंसा का सहारा लिए बिना स्वस्थ तरीके से सभी लोग अपनी बात रख सकें। वर्तमान में एक नए तरीके का खतरा उत्पन्न हो गया है। इंटरनेट मीडिया धुर दक्षिणपंथी और वामपंथी धड़ों में बंट गया है। दोनों तरह के अतिवादी विचार न केवल समाज को विभाजित करने का काम करते हैं बल्कि घृणा फैलाते हैं। मस्क ने ट्विटर के विज्ञापनदाताओं से कहा कि वह चाहते हैं कि ट्विटर दुनिया का सबसे सम्मानित विज्ञापन मंच बने। उन्होंने कहा, यह ऐसा प्लेटफार्म बने, जहां पर सभी का स्वागत हो और सभी को अपनी बात रखने की आजादी हो।

ट्विटर के अधिग्रहण के बाद भारत के आईटी व सूचना प्रद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि देश को उम्मीद है कि ट्विटर भारत में नए आईटी नियमों का पालन करेगा। चंद्रशेखर ने कहा कि ट्विटर का मालिक बदलने की परवाह नहीं है। भारत में अपना कानून है, यहां सभी को कानून का पालन करना पड़ेगा। उन्होंने कुछ भारतीयों के ट्विटर अकाउंट बैन के संबंध में कहा कि जल्द ही इस संबंध में नया आईटी नियम लागू किया जाएगा, जिसका सभी को पालन करना पड़ेगा। पिछले दिनों जुलाई 2022 में भारत सरकार ने ट्विटर को कुछ आपत्तिजनक सामाग्री हटाने के लिए कहा था, इसे लेकर मामला कोर्ट में गया था।

कोर्ट में ट्विटर के अधिकारी ने कुछ सामाग्री हटाने पर सहमत भी हुए थे। पिछले दो वर्षों में भारत सरकार ने ट्विटर से स्वतंत्र सिख राज्य बनाने, किसानों के विरोध के बारे में गलत सूचना फैलाने, कोविड महामारी से निपटने के लिए सरकार के प्रयासों को गलत अथर्र में फैलाने जैसे तथ्यों को हटाने का अनुरोध किया था। सरकार और ट्वीटर के बीच काफी समय से कई मुद्दों पर तकरार चल रही है अब इस नए अधिग्रहण के बाद ट्वीटर का क्या रूख रहता है ये समय बताएगा। इस डील के बाद अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ट्विटर पर वापसी होगी या नहीं साथ ही ट्विटर लेफ्ट और राईट के विचारों के बीच कैसे सामंजस्य बिठाएगा ये आगे आने वाला समय बताएगा।

केंद्रीय मंत्री ने किया जूनियर हाईस्कूल का दौरा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 01 नवम्बर। केंद्रीय शिक्षा व विदेश राज्य मंत्री डॉ. राजकुमार रंजन सिंह ने आज गंगटोक में 4 माइल जूनियर हाई स्कूल का दौरा किया। इस अवसर पर गंगटोक की मुख्य शिक्षा अधिकारी श्रीमती छिरिंकी चिंग्पा, संयुक्त शिक्षा निदेशक एनके सुब्बा और स्कूल प्रभारी सुल्तिम पिछो भूटिया ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

इस दौरान नान्दोक प्रखंड प्रशासनिक केंद्र एवं स्कूल प्रबंधन अधिकारियों के अलावा छात्र, शिक्षण व गैरशिक्षण कर्मचारी, जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान के प्रशिक्षु एवं स्थानीय लोगों भी उपस्थित थे।

यहां मंत्री सिंहने अपने वक्तव्य में राज्य के इतिहास और संस्कृति की रक्षा हेतु स्थानीय भाषाओं को पढ़ाई के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण पर जोर दिया। उन्होंने लेप्चा भाषा को राज्य की स्वदेशी भाषाओं में से एक बताते हुए इसे उचित महत्व देने का सुझाव दिया। साथ ही उन्होंने छात्रों को रुचि और शौक विकसित करने के लिए कुशल लोगों के साथ चर्चा सत्रों में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया। वहीं इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने स्कूल पदाधिकारियों से बातचीत की और वहां शिक्षा नीति, एनईपी 2020, मिड डे मील योजना, नामांकन, बागवानी और खेल के सम्बंध में जानकारी ली। उन्होंने कक्षा का दौरा कर छात्रों से बातचीत की।

ईडी ने विकास दुबे की 10 करोड़ रुपये की बेनामी संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली, 01 नवम्बर (एजेन्सी)। प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को यूपी के गैंगस्टर विकास दुबे की 10 करोड़ रुपये की बेनामी संपत्ति कुर्क की, जिसे उसने अपने रिश्तेदारों और सहयोगी के नाम पर खरीदा था।

जांच से जुड़े सूत्रों ने बताया कि दुबे की दस करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की गई है। संपत्ति कथित तौर पर जयकांत के नाम पर थी, जो दुबे का बहुत करीबी था। सूत्रों ने कहा, ये संपत्तियां कानपुर और आसपास के इलाकों में स्थित हैं। तलाशी अभियान के दौरान ईडी को दुबे की 28 से अधिक अवैध संपत्तियां मिली थीं।

सूत्रों ने बताया कि दुबे अपनी पत्नी ऋचा दुबे, बहन और रिश्तेदारों और सहयोगियों के नाम जमीन पर कब्जा करता था। विकास दुबे, 3 जुलाई, 2020 के बिकरू नरसंहार का मुख्य आरोपी था, जिसमें उसके घर पर छापा मारने गए आठ पुलिसकर्मियों की उसने और उसके सहयोगियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

निवेश के रोल मॉडल

आरके सिन्हा

महाराष्ट्र और गुजरात में आजकल निजी क्षेत्र का निवेश आकर्षित करने को लेकर स्वस्थ स्पर्धा चल रही है।

यह अपने आप में सुखद है। दोनों राज्य 1 मई, 1960 को अलग प्रदेश के रूप में आने से पहले बॉम्बे स्टेट के ही अंग थे। ये भाषाई आधार पर अलग-अलग होने के बावजूद एक दूसरे के बेहद निकट हैं। हाल के दिनों में टाटा एयरबस परियोजना गुजरात के पाले में गई। यह परियोजना पहले महाराष्ट्र के लिए तय थी, जिसे बाद में गुजरात में स्थापित करने का फैसला किया गया। परियोजना की जगह में बदलाव को लेकर मचे विवाद के बीच महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने सफाई दी। शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र के औद्योगिक क्षेत्र के लिए बड़े निवेश की तैयारी है। टाटा एयरबस प्लांट के 1.5 लाख करोड़ रुपये की वेदांत-फॉक्सकॉन परियोजना के गुजरात के पाले में जाने के करीब डेढ़ महीने बाद यह मुद्दा उछला है। वडोदरा में एयरबस सी-295 परिवहन विमान के उत्पादन के लिए एक विनिर्माण संयंत्र स्थापित किया जाना है। फ्रांस की कंपनी एयरबस और टाटा समूह की साझेदारी से इन विमानों का निर्माण किया जाएगा। कोई बात तो है कि बडे निवेश इन राज्यों को मिलते हैं। आखिर इन्होंने निवेशकों के अनुकूल अपनी नीतियां जो बनाई हैं। यूं कोई निवेशक कहीं पैसा नहीं लगाता। यह याद रखना जाना चाहिए।

यह समझना होगा कि भारत की आर्थिक प्रगति का रास्ता इन दोनों ही राज्यों से ही होकर गुजरता है। महाराष्ट्र और गुजरात में परस्पर मैत्री और सहयोग का वातावरण सदैव बना रहा। गुजराती और मराठी समाज में तालमेल के मूल में बड़ी वजह यह रही कि ये दोनों में अहंकार या ईर्ष्या का भाव नहीं है। दोनों ने एक-दूसरे के पर्वों को आत्मसात कर लिया। गुजराती गणेशोत्सव को उसी उत्साह से मनाते हैं, जैसे मराठी नवरात्रि को आनंद और उत्साह के साथ। इसलिए दो राज्यों के बनने के बाद भी इन दोनों समाजों और राज्यों में कभी दूरियां पैदा नहीं हुई। मुंबई के गुजराती भाषियों ने इस महानगर को अपनी कुशल आंत्रप्रन्योरन क्षमताओं से समृद्ध किया। वे 1960 से पहले की तरह से मुंबई में अपने कारोबार को आगे बढ़ाते रहे। मुंबई के अनाज, कपड़ा, पेपर, और मेटल बाजार में गुजराती छाए हुए हैं। हीरे के 90 फीसद कारोबारी गुजराती भाई ही हैं, और मुंबई स्टॉक एक्सचेंज की आप गुजरातियों के बगैर कल्पना भी नहीं कर सकते।

मुंबई में मराठियों और गुजरातियों को आप अलग करके नहीं देख सकते। दोनों मुंबई की प्राण और आत्मा हैं। मुंबई यानी देश की वित्तीय राजधानी मुंबई में गुजराती मूल के लोगों के दर्जनों कालेज, स्कूल, सांस्कृतिक संस्थाएं वगैरह सक्रिय हैं। मुंबई के गुजराती भावनात्मक रूप से ही गुजराती रह गए हैं। वैसे ये मुंबई के जीवन में रस-बस गए गए हैं। और मुंबई में अब भी उन लोगों को याद है जब एक धीरूभाई अंबानी नाम का नौजवान अंधेरी के एक चाल में रहता था। क्या किसी को बताने की जरूरत है कि धीरूभाई अंबानी कौन थे? ये बातें होंगी पिछली सदी के पांचवे दशक की। तब धीरूभाई बिजनेस की दुनिया में अपनी दस्तक दे रहे थे। मुंबई में लगभग 30 लाख गुजराती रहते हैं। इसी मुंबई में धीरूभाई के बाद गौतम अडानी, अजीम प्रेमजी, रतन टाटा, आदी गोदरेज, समीर सोमाया जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कारोबारी दुनिया में जगह बनाने वाले अनेक गुजराती आए और आगे बढ़े।

गुजराती और मराठी शुरू से आपसी सामंजस्य और भाईचारे के भाव से इसलिए भी रहते रहे, क्योंकि दोनों एक दूसरे के पर्याय बन कर रहे। जहां गुजराती कारोबारी बनने को बेताब रहा, वहीं मराठी एक अच्छी सी पगार वाली नौकरी करने तक अपने को सीमित रखता था। दोनों ने एक-दूसरे के स्पेस को लांघा नहीं। मराठी समाज की रूचियों में शामिल रहे कला, संस्कृति, संगीत वगैरह। गुजराती समाज सच्चा और अच्छा कारोबारी है। दोनों में टोलरेंस का भाव भी रहा।

अगर गुजरात की बात करें तो इसकी उत्तरी-पश्चिमी सीमा पाकिस्तान से लगती है। यहां मिले पुरातात्विक अवशेषों से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस राज्य में मानव सभ्यता का विकास 5 हजार वर्ष पहले हो चुका था। और मध्य भारत के सभी मराठी भाषी इलाकों का विलय करके एक राज्य बनाने को लेकर बड़ा आंदोलन चला और 1 मई, 1960 को कोंकण, मराठवाडा, पश्चिमी महाराष्ट्र, दक्षिण महाराष्ट्र, उत्तर महाराष्ट्र तथा विदर्भ, सभी संभागों को जोड़ कर महाराष्ट्र राज्य की स्थापना की गई। महाराष्ट्र राज्य आस-पास के मराठी भाषी क्षेत्रों को मिलाकर बनाया गया था। इनमें मूल रूप से ब्रिटश मुंबई प्रांत में शामिल दमन तथा गोवा के बीच का जिला, हैदराबाद के निजाम की रियासत के पांच जिले, मध्य प्रांत (मध्य प्रदेश) के दक्षिण के आठ जिले तथा आस-पास की ऐसी अनेक छोटी-छोटी रियासतें शामिल थी, जो समीपवर्ती जिलों में मिल गई थी। महाराष्ट्र-गुजरात से अन्य प्रदेशों को सीखना चाहिए कि वे किस तरह से निजी क्षेत्र का निवेश अपने यहां भी ला सकें। फिलहाल तो ये दोनों प्रदेश ही बाकी राज्यों पर भारी पड़ रहे हैं।

धर्म की आंच पर किसकी गलेगी दाल

विभूति नारायण राय

दुनिया भर के राजनेताओं की तरह भारतीय राजनेता भी अपने वक्तव्य चुनावी नफे-नुकसान को ध्यान में रखकर ही देते हैं। इस लिए जब दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने नोटों पर लक्ष्मी गणेश के चित्र छापने की मांग की, तो किसी को आश्चर्य नहीं हुआ। यह अलग बात है कि उन्होंने जो तर्क इस अनुरोध के पीछे दिए हैं, वे जरूर कौतूहल पैदा करने वाले हैं। सार्वजनिक जानकारी सही है, तो केजरीवाल आईआईटी से पढ़े हुए हैं, इसलिए जब वे कहते हैं कि अर्थव्यवस्था को सुधारने का एक तरीका है कि भारतीय नोटों पर लक्ष्मी गणेश के चित्र छापे जाएं, तो स्वाभाविक रूप से हमें ब्रिटिश मतदाताओं पर तरस आता है, जिन्होंने बाजार की गिरावट थामने के लिए अपना प्रधानमंत्री ही बदल डाला। मेरे जैसे भोजपुरिया के मन में कसक है कि उन्हें दरिद्दर भगाने का हमारा शर्तिया इलाज नहीं याद आया अन्यथा तो वह रिजर्व बैंक को सलाह देते कि उनकी हर शाखा में दीवाली के मौके पर सूप जरूर पीटा जाए। शायद बिहार के अगले चुनाव में यह भी याद आ जाए।

धर्म को ध्यान में रखकर की जाने वाली राजनीति की एक सीमा यह है कि इसमें भाषा के स्तर पर निरंतर बदलाव की जरूरत पड़ती है। कुछ दशक पहले एक फिल्म आई थी शोले। उसमें हिंसा को एक खास मुकाम दिया गया था। तब तक बनी किसी भी बम्बइया फिल्म से बहुत क्रूर थी इसकी हिंसा। सिनेमा घरों में इसने धूम मचा दी और बॉक्स ऑफिस के रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए थे, पर जब उसकी नकल पर और फिल्में बनीं, तो लगभग सभी पिट गईं। दर्शक अधिक की मांग कर रहे थे और निर्माता निर्देशकों की सांसें फूली जा रही थीं। कुछ ऐसा ही प्रयोग 1970 के दशक में पंजाब में हुआ। ज्ञानी जैल सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस ने अपने कार्यक्रमों को अरदास से शुरू करने का प्रयास किया और बुरी तरह से पिटे। पंथ के धार्मिक प्रतीकों का अकालियों द्वारा प्रयोग कांग्रेस के मुकाबले अधिक विश्वसनीय लगता था। एक बार इस दौड़ में शरीक होते ही जो प्रतिस्पर्धा शुरू होती है, उसमें दौड़ना सबके बस का नहीं है।

मुद्रा पर लक्ष्मी गणेश के चित्रों की मांग भी प्रतिस्पर्धा और बड़ी हिंदू छवि निर्मित करने का प्रयास अधिक प्रतीत होती है। इस मामले में आम आदमी पार्टी पहले से ही बहुत सतर्क व्यवहार करती रही है। शाहीन बाग जैसे आंदोलन में भी पार्टी खुलकर किसी पक्ष में नहीं दिखी थी। दिल्ली के उत्तर पूर्व जिले में सांप्रदायिक दंगों के दौरान पार्टी का वीतराग भी इसी रणनीति का हिस्सा था। अनेक लोगों को शिकायत है कि पीड़ितों को राहत पहुंचाने की दिशा में ज्यादा प्रभावी हस्तक्षेप नहीं किया गया। देश के भिन्न हिस्सों में पार्टी की कई सभाओं में जयश्री राम के नारे भी लगाए गए हैं और यह भी भुला दिया गया कि इसका कॉपीराइट तो किसी अन्य के पास है। शायद यह भुला दिया गया है कि कांग्रेस इसी चक्कर में अपना दामन जला चुकी है। उसने एक बार अपने चुनाव प्रचार की शुरुआत अयोध्या से की थी और एक चुनाव के मौके पर बाबरी मस्जिद का ताला खुलवाने में मदद की थी, दोनों बार उन्हें मुंह की खानी पड़ी। दोनों बार भाजपा ज्यादा बड़ी हिंदू साबित हुई। आज तक कांग्रेस उस धक्के से उबरी नहीं है और उत्तर प्रदेश, बिहार जैसे बड़े राज्यों से तो उसका पूरा जनाधार ही इसी चक्कर में खिसक गया। न खुदा ही मिला, न विसाले सनम। राहुल या प्रियंका की चुनावी मौकों पर मंदिरों में शीश नवाती, गंगा स्नान करती या जनेऊ धारण की हुई छवि बहुत विश्वसनीय नहीं बन पाती है। इसीलिए, हिंदुत्व के पाले में घुसकर भाजपा को ललकारने पर हमेशा हार की आशंका बनी रहती है। अनुभव तो यही कहता है।

1952 के पहले आम चुनावों से ही धर्म और जाति राजनैतिक दलों और मतदाताओं, दोनों के लिए चुनौती बने हुए हैं। संविधान निर्माताओं की मंशा बड़ी स्पष्ट थी कि चुनाव प्रक्रिया में इनकी दखलंदाजी कम से कम हो, पर शायद ही कोई चुनाव इनसे मुक्त रहे हों। कोई दल इस क्षेत्र में पूरी तरह से पाक साफ नहीं रहा। डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद ने अपनी आत्मकथा में अफसोस जाहिर किया था कि 1935 के चुनावों में भी कांग्रेस ने अपने टिकट धर्म और जाति को ध्यान में रखकर बांटे थे। शुरुआती सालों में जब आजादी की लड़ाई के मूल्य राजनीति में हावी थे या राष्ट्र निर्माण की भावना बलवती रहती, चुनावी मुहावरों में धार्मिक प्रतीक कम मिलते थे, पर जैसे-जैसे आदर्शवाद कमजोर पड़ता गया धर्म और जाति के लिए जगह बढ़ती गई। तीसरे चौथे आम चुनावों तक तो ये ही जीतने के लिए सबसे बड़े औजार बन गए। साफ-सुथरे चुनावों के लिए बना चुनाव आयोग भी कभी बहुत प्रभावशाली हस्तक्षेप नहीं कर सका। यह समझ आज तक विकसित नहीं हो पाई कि धर्मनिरपेक्षता चुनाव जीतने के लिए नहीं, राष्ट्र निर्माण के लिए जरूरी है और दुर्भाग्य से इधर अनेक बयान इस विचार को ही नष्ट कर देते हैं।

मुद्रा पर लक्ष्मी गणेश की प्रतिमा छाप कर बेरोजगारी दूर करने या महंगाई पर नियंत्रण करने के सुझाव में और भी खतरे निहित हैं। सबसे बड़ा खतरा तो शिक्षा के क्षेत्र दिल्ली की सरकार ने जो हासिल किया है, उसी के नष्ट होने का है। क्या दिल्ली सरकार अपने स्कूलों में बच्चों को अर्थशास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में यह पढ़ाना शुरू करेगी कि आर्थिक गिरावट रोकने के लिए नोटों पर लक्ष्मी गणेश की तस्वीर छापनी चाहिए। ऐसा करके भारतीय संविधान की उस अपेक्षा का भी उल्लंघन ही होगा, जो उसने राज्य से कर रखी है।

संविधान राज्य से अपेक्षा करता है कि वह नागरिकों में वैज्ञानिक चेतना विकसित करे। हमारी शिक्षा व्यवस्था के बड़े आलोचक भी यह तो मानेंगे ही कि आधी अधूरी सही, पर भारतीय बच्चों की समझ कुछ हद तक वैज्ञानिक हुई है। किसी भी धर्म का छात्र अब यह मानता है कि सूरज नहीं, बल्कि पृथ्वी घूमती है या सृष्टि सिर्फ छह दिनों में नहीं बनी, बल्कि लाखों सालों में विकसित हुई है। आज भी बहुत से जाते हैं, पर दिल्ली के मुख्यमंत्री की मांग मान ली गई, तो ये साफ होने की जगह और घने ही होंगे।

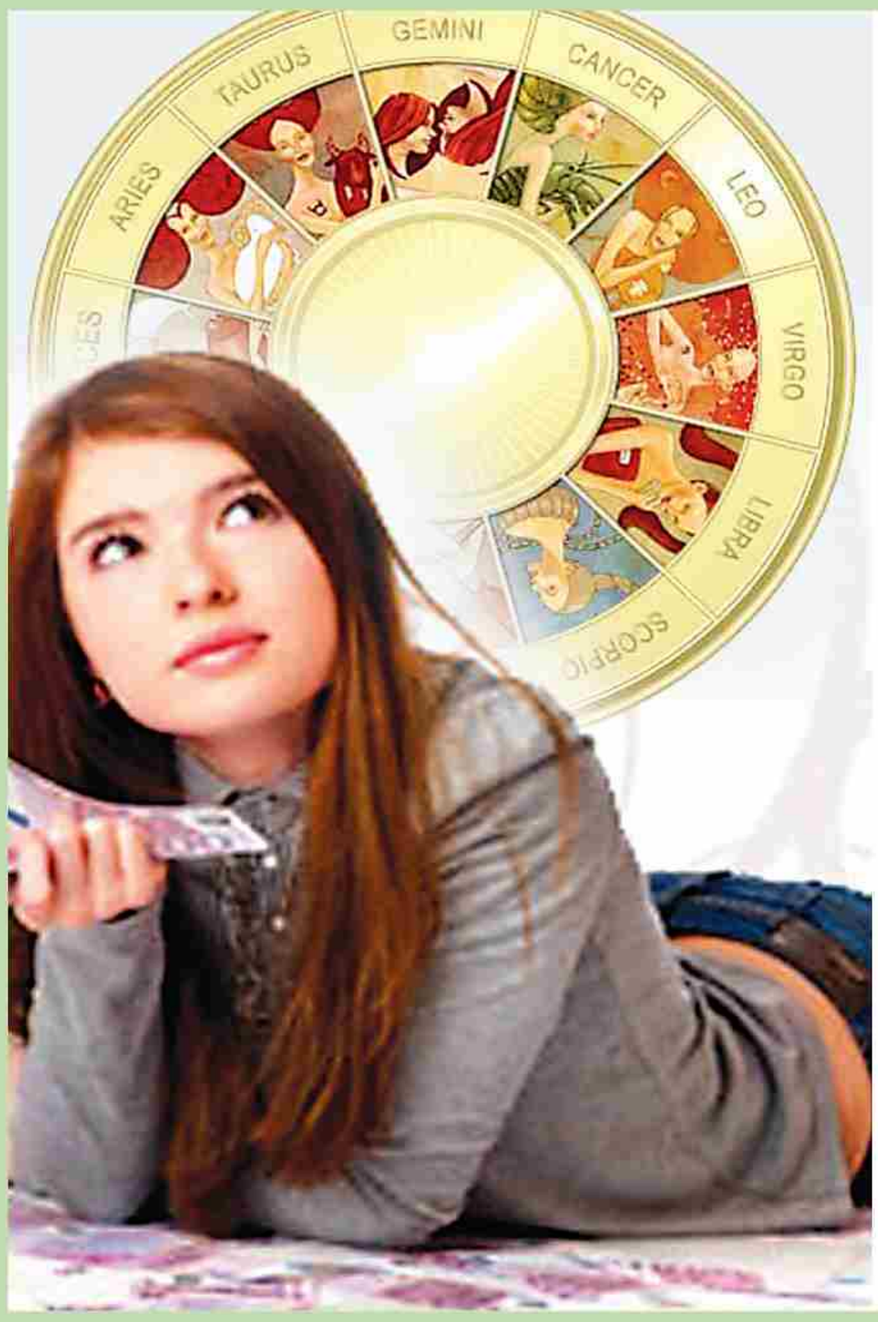

ज्योतिष में है भविष्य

पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है।

ज्योतिष ग्रहों को जानने की एक प्राचीन विद्या है। यह हमारे ऋषि-मुनियों द्वारा प्रदत्त एक ज्ञान है। ज्योतिष ग्रहों की गणितीय गणना है। ज्योतिष का सबसे बड़ा लाभ यह है कि व्यक्ति को अपनी अनुकूल और प्रतिकूल स्थिति का ज्ञान हो जाता है, जिससे वह उसके अनुसार कार्य करता है तो विपरीत परिस्थितियों में भी उसे संबल मिलता है। पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है। इस विद्या में कंप्यूटर के प्रयोग से ज्योतिष का क्षेत्र सरल एवं व्यापक हुआ है। भारत में ज्योतिष से संबंधित लगभग 1800 वेबसाइट्स हैं। विदेशों में ज्योतिष से संबंधित लगभग 2 लाख से अधिक वेबसाइट्स हैं। युवा ज्योतिष विद्या का अध्ययन कर इसमें भी कैरियर बना सकते हैं। शासकीय संस्कृत महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. विनायक पांडे के अनुसार ज्योतिष वर्तमान में एक अच्छे कैरियर क्षेत्र के रूप में उभरा है। कई युवा इस प्राचीन भारतीय विद्या के बारे में जानने-समझने को उत्सुक हैं। अभी इस विद्या का पूर्ण और सही ज्ञान रखने वालों की भारत में अभी भी कम है।

उन्होंने बताया कि ज्योतिष के दो प्रकार होते हैं- 1. सिद्धांत ज्योतिष और 2. फलित ज्योतिष। सिद्धांत ज्योतिष के अंतर्गत पंचांग आदि का निर्माण शामिल है। इसका अध्ययन कर युवा खुद स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे सकते हैं। फलित ज्योतिष के अंतर्गत भविष्य देखना, पत्रिका बनाना, ग्रहजन्य पीड़ा, निदान आदि का अध्ययन किया जाता है।

डॉ. पांडे कहते हैं कि ज्योतिष में रुचि रखने वाले युवा ज्योतिष में डिप्लोमा कर सकते हैं। 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद आप किसी भी विषय में स्नातक की पढ़ाई के साथ यह डिप्लोमा कर सकते हैं। यह डिप्लोमा कोर्स तीन वर्षीय है। पहले साल में उत्तीर्ण होने पर प्रमाण-पत्र दिया जाता है। दूसरे वर्ष में डिप्लोमा और तीसरे वर्ष में एडवांस डिप्लोमा होता है। यह युवाओं के लिए उभरता हुआ कैरियर क्षेत्र है। ज्योतिष के साथ में आध्यात्मिक जुड़ाव भी होना चाहिए।

प्रचलित चिकित्सा पद्धति के नुकसान के चलते जहां लोगों में आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा का प्रचलन बढ़ रहा है वहीं कुछ वर्षों से योग के प्रति भी लोगों का रुझान तेजी से बढ़ा है। यदि कोई व्यक्ति योग शिक्षक बनना चाहता है तो उसे योग की तमाम अपेक्षित जानकारी होनी चाहिए।

योग में संवारे कैरियर

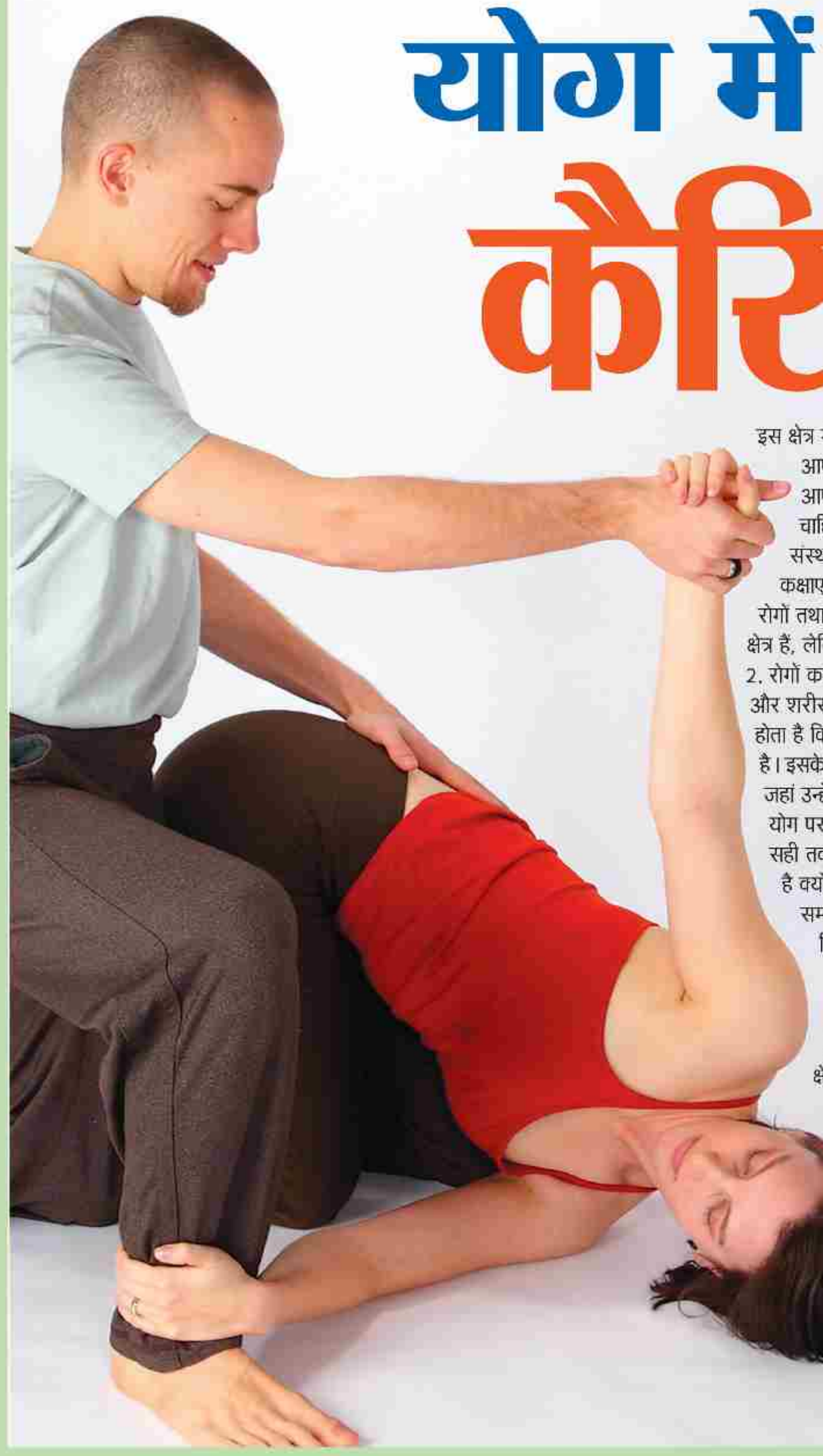

इस क्षेत्र में अनेक संभावनाएं हैं। योग शिक्षा और प्रशिक्षण के बाद आप स्वयं योग-कक्षाएं लगा सकते हैं। इसके लिए सिर्फ आपके पास साफ-सुथरा स्थान तथा स्वस्थ माहौल होना चाहिए। खुली जगह सर्वोत्तम रहती है। यदि मान्यता प्राप्त संस्थान से प्रशिक्षण लिया है तो आप स्कूल, कॉलेज में भी कक्षाएं ले सकते हैं। चिकित्सक और शोधकर्ता के रूप में आप रोगों तथा विकारों के संबंध में कार्य कर सकते हैं। योग में अनेक क्षेत्र हैं, लेकिन दो प्रमुख क्षेत्र हैं -1. अध्यापन और अनुसंधान तथा 2. रोगों का उपचार। जहां तक रोगों के उपचार का संबंध है, योग मन और शरीर- दोनों का इलाज करता है। किंतु यह जानना जरूरी होता है कि किस आसन और प्राणायाम से कौन-सा रोग ठीक होता है। इसके लिए विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाएं लगाई जाती हैं, जहां उन्हें विभिन्न आसन और योग के अन्य पहलू सिखाए जाते हैं। योग पर अनेक ग्रंथ हैं। उक्त ग्रंथों का अध्ययन कर योगाभ्यास की सही तकनीक समझ सकते हैं। योग में प्रशिक्षण लेना बेहद जरूरी है क्योंकि यदि व्यायाम सही ढंग से नहीं किया जाता है तो समस्या बढ़ सकती है। यदि समुचित प्रशिक्षण के बिना योग किया जाता है तो यही योग हानिकारक भी हो सकता है।

रोजगार की संभावनाएं

वर्तमान में भारत में 30 से ज्यादा कॉलेजों में योग विषय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। किसी भी क्षेत्र के स्नातक योग से संबंधित पाठ्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर पर ये पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, अथवा स्नातकोत्तर डिप्लोमा स्तर का एक वर्ष का पाठ्यक्रम भी कराया जाता है। यहां यह भी जानना आवश्यक है कि कॉलेजों के अलावा देशभर में कई योग अध्ययन केंद्र भी हैं। योग पाठ्यक्रम में निम्नलिखित विषय शामिल हैं- शरीर रचना, दर्शन, ध्यान, व्यायाम तथा योग और ध्यान का सिद्धांत व नियम। व्यावहारिक पक्ष में योगासन, सूर्य नमस्कार तथा प्राणायाम जैसे विभिन्न आसन दिखाए जाते हैं।

आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचे और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

इंटरव्यू की खास बातें

कहते हैं फर्स्ट इंप्रेशन इज् लास्ट इंप्रेशन। किसी जॉब के लिए इंटरव्यू देते समय आपको इन्हीं बातों का ध्यान रखना पड़ता है। आप इंटरव्यू में अपने आपको सही तरीके से प्रस्तुत करेंगे तो आपको जॉब मिलने में आसानी होगी। आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचे और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

हरेक गतिविधि पर नजर- इंटरव्यू देते वक्त आपका ध्यान सिर्फ उसी पर रहता है। इंटरव्यूअर आपसे सवाल-जवाब करने के दौरान आपकी प्रत्येक हलचल पर ध्यान रखता है। कई कंपनियों में तो कैंडिडेट्स के व्यवहार को देखने के लिए रिसेप्शन पर कैमरे तक लगाए जाते हैं। हायरिंग मैनेजर इन कैमरों से यह देखते हैं कि आप रिसेप्शनिस्ट और दूसरे इंटरव्यू देने आए प्रतिभागियों से कैसा व्यवहार कर रहे हैं। बातों को बढ़ा-चढ़ाकर न बोलें- इंटरव्यू के दौरान अनावश्यक न बोलें। आपसे जो सवाल किया जाए, उसी का सीधे तरीके से जवाब दें। कई लोगों की आदत जरूरत से ज्यादा बोलने की होती है। इंटरव्यूवर को इस बात से सख्त नफरत होती है कि आप उसके सवाल का जवाब देने की बजाय इधर- उधर की बातें करें। अगर आप फालतू की बात करेंगे तो यही माना जाएगा कि आपको कुछ पता नहीं है। सकारात्मक जवाब- इंटरव्यू के दौरान अपने पॉजीटिव एटीट्यूट को प्रदर्शित करें। इंटरव्यू के दौरान आपसे चाहे जितने नकारात्मक प्रश्न पूछे जाएं, आप उनका जवाब पॉजीटिव ही दें। इंटरव्यू के दौरान ज्यादा कम्फर्टेबल और फ्रेंडली होने का प्रयास भी न करें। अपने इंप्लोयर की न करें आलोचना- आप अपने वर्तमान जॉब से चाहे कितने ही असंतुष्ट क्यों न हों, लेकिन इंटरव्यू के दौरान अपने इंप्लोयर की किसी भी तरह की आलोचना न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो इंटरव्यू पैनल में आपके बारे में गलत संदेश जाएगा।

फोटोग्राफी में ध्यान दें बारीकियों पर

फैशन और वाइल्ट लाइफ फोटोग्राफी में रुचि रखने वाले युवा इसे अपना पेशन मानते हैं। इस फील्ड में क्रिएटीविटी, टेक्निक, ट्रेनिंग, हार्डवर्क, ग्लैमर, एडवेंचर सब कुछ है। सही ट्रेनिंग और गाइडेंस से इस फील्ड में कैरियर बनाने का स्कोप बढ़ गया है। कई डिग्री होल्डर फोटोग्राफर्स भी फैशन और वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी की बारीकियां सीख रहे हैं। कैरियर संभावनाएं- फैशन इंडस्ट्रीज, कार्पोरेट और इंडस्ट्रीयल सेक्टर के विकसित होने से इस फील्ड में संभावनाएं बढ़ गई हैं। फैशन इंडस्ट्री के फलने-फूलने के साथ ही फैशन फोटोग्राफी में ग्लैमर जुड़ चुका है। आज हर कंपनी अपने प्रोडक्ट के साथ कैलेंडर, मैगजीन, विज्ञापन ब्रोशर प्रकाशित करती है। इनमें आकर्षक और स्टाइलिश फोटो की खास भूमिका

होती है। इन सबके लिए फैशन फोटोग्राफर की बहुत जरूरत है। तकनीकी रूप से सक्षम होने पर इस क्षेत्र में भविष्य बहुत उज्जवल है। शैक्षणिक योग्यता- फोटोग्राफी के लिए कम से कम ग्रेजुएशन होना जरूरी है। देशभर में कई इंस्टीट्यूट फोटोग्राफी में डिग्री या सर्टीफिकेट कोर्स करवाते हैं। एक सक्सेसफुल फोटोग्राफर बनने के लिए डीप स्टडी और अच्छे विजन का होना जरूरी है। अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली, औरंगाबाद जैसे शहरों में संस्थानों द्वारा फोटोग्राफी का विधिवत प्रशिक्षण दिया जाता है। इन संस्थानों में दो-तीन वर्षों के डिग्री कोर्स एवं ट्रेनिंग दी जाती है।

तुर्की से यात्रियों को लेकर आ रही नौका डूबी, दर्जनों लापता

अंकारा । तुर्की से आ रही एक नौका एविया और एंड्रोसो के द्वीप के बीच पलट गई, जिसके बाद उसमें सवार दर्जनों प्रवासी लापता हैं। घटना के बाद व्यापक खोज एवं बचाव अभियान शुरू किया गया है। तटरक्षकों ने कहा कि यूनान की राजधानी एथेंस के पूर्व में स्थित इन द्वीपों के कफीरा जलडमरूमध्य में एक निर्जन टापू पर नौ लोग मिले हैं। सभी पुरुष हैं।

तटरक्षकों द्वारा गश्ती नौका के जरिए बचाए गए लोगों ने अधिकारियों को बताया कि नौका जब डूबी तब उसमें लगभग 68 लोग सवार थे और वे लोग तुर्की के तट पर इजमिर से रवाना हुए थे। अधिकारियों को मंगलवार तड़के नौका में सवार यात्रियों की ओर से घटना की सूचना मिली कि वे मुश्किल में हैं। हालांकि वे यह नहीं बता पाए कि वे किस जगह फंसे हुए हैं। तटरक्षकों ने कहा कि एक हेलीकॉप्टर, एक तटरक्षक गश्ती नौका और पास में तैनात दो जहाजों को खोज एवं बचाव अभियान में लगाया गया है।

शिकागो: हैलोवीन की रात हुई गोलीबारी, तीन बच्चों समेत 14 लोग घायल

शिकागो के गारफील्ड पार्क इलाके में हैलोवीन की रात को हुई गोलीबारी में तीन बच्चों समेत 14 लोग घायल हो गए। शिकागो पुलिस ने यह जानकारी दी। 'डब्ल्यूएलएस-टीवी' के अनुसार, शिकागो पुलिस अधीक्षक डेविड ब्राउन ने कहा कि इस घटना में तीन साल, 11 साल और 13 साल के तीन नाबालिग घायल हुए हैं। बाकी पीडित वयस्क हैं और उनकी आयु 30 से लेकर 50 साल है। इसके अलावा एक व्यक्ति कार की चपेट में आने से घायल हो गया। शिकागो दमकल विभाग ने बताया कि उसने घटनास्थल पर कम से कम 10 एम्बुलेंस भेजी थी। ब्राउन ने कहा कि कार में आए हमलावरों ने रात करीब साढ़े नौ बजे गोलीबारी की। इस घटना की एक वीडियो भी बनायी गयी है, जिसे पुलिस खंगाल रही है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि वीडियो में कम से कम दो हमलावर दिखायी दिए हैं। हालांकि, हमलावरों की संख्या इससे अधिक हो सकती है। वे भीड़ पर अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए दिखाई दिए। उन्होंने बताया कि घटना के पीछे के मकसद का अभी पता नहीं चला है। अभी किसी को हिरासत में नहीं लिया गया है।

अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने अफगानिस्तान में अपराधों की जांच फिर से शुरू करने को मंजूरी दी

द हेग । अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) के न्यायाधीशों ने अभियोजक द्वारा अफगानिस्तान में युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराधों की जांच फिर से शुरू करने के अनुरोध को यह कहकर मंजूरी दे दी है, कि अफगान अधिकारी कथित अपराधों की सार्थक जांच नहीं कर रहे हैं। न्यायालय ने कहा कि काबुल में अधिकारियों ने यह स्थापित नहीं किया है कि ''अफगानिस्तान ने जांच की है, या जांच कर रहा है, जो अभियोजक की इच्छित जांच के पूर्ण दायरे को कवर करता है, और जो अदालत की जांच के आंशिक स्थगन को भी उचित ठहराए।'' फैसले के एक साल पहले अभियोजक करीम खान ने कहा था कि वह अफगानिस्तान में आईसीसी की जांच फिर से शुरू करना चाहते हैं, क्योंकि देश के नए तालिबान शासकों के तहत देश में वास्तविक और प्रभावी आंतरिक जांच की संभावना नहीं है। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के न्यायाधीशों ने 2020 में तत्कालीन अभियोजक फतोऊ बेनसौदा द्वारा एक जांच को मंजूरी दी, जिसमें अफगान सुरक्षा बलों, तालिबान, अमेरिकी सैनिकों और 2002 के अमेरिकी विदेशी खुफिया एजेंट द्वारा किए गए कथित अपराधों को शामिल किया गया था। अमेरिका आईसीसी का सदस्य नहीं है, और इसके अधिकार क्षेत्र को मान्यता नहीं देता है। अमेरिकी सुरक्षा बलों, कर्मियों की भूमिका की जांच करने के निर्णय के कारण तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने बेनसौदा पर प्रतिबंध लगा दिए, जो कि पद छोड़ चुकी हैं। हालांकि, अफगान अधिकारियों द्वारा मामले को संभालने के लिए कहने के बाद जांच को रोक दिया गया था। आईसीसी को 2002 में उन देशों में कथित अत्याचारों पर मुकदमा चलाने के लिए स्थापित किया गया था, जो अपराधियों को न्याय के कठघरे में नहीं ला सकते। खान ने जब पिछले साल अदालत की जांच को फिर से शुरू करने की मांग की, तब उन्होंने कहा कि वह अब तालिबान और इस्लामिक स्टेट समूह के अफगान सहयोगियों द्वारा किए गए अपराधों पर ध्यान केंद्रित करने की योजना बना रहे हैं। साथ ही उन्होंने कहा था कि वह जांच के अन्य पहलुओं को प्राथमिकता नहीं देने वाले हैं। अमेरिकियों द्वारा अपराधों के आरोपों सहित जांच के अन्य पहलुओं को प्राथमिकता नहीं देने के अपने फैसले पर, खान ने पिछले साल कहा था कि उनका कार्यालय, सबूत सुरक्षित रखने की जिम्मेदारियों के लिए तैयार रहेगा, और ढांचे के भीतर जवाबदेही प्रयासों को बढ़ावा देगा।'' न्यायाधीशों ने सोमवार को दी अपनी व्यवस्था में कहा कि जांच फिर से शुरू करने के उनके फैसले में सभी कथित अपराध शामिल हैं, जिसका अर्थ है कि इसमें अमेरिकी कर्मियों द्वारा अपराधों के आरोप शामिल हो सकते हैं।

पाकिस्तान में देर रात आया 4.8 तीव्रता का भूकंप

– अभी तक जानमाल के किसी भी नुकसान की कोई खबर नहीं

इस्लामाबाद । पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद से 303 किलोमीटर दूर उत्तर पश्चिम में देर रात 4.8 तीव्रता का भूकंप आया। पाकिस्तान के पश्चिमोत्तर इलाके में सोमवार रात लगभग 1:15 बजे ये भूकंप आया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक भूकंप की गहराई जमीन से 120 किमी नीचे थी। इस भूकंप से अभी तक जानमाल के किसी भी नुकसान की कोई खबर सामने नहीं आई है। पाकिस्तान के नार्थ वेस्ट में कई विनाशकारी भूकंप आ चुके हैं। जिनमें से एक 2005 में बालाकोट में आया था । इस विनाशकारी भूकंप से पूरा इलाका तबाह हो गया था। इससे बचे लोगों के लिए पाकिस्तान सरकार ने नए घर बनाने के लिए भूखंड देने का आश्वासन दिया था। 17 साल के बाद भी ये मामला अभी लटका हुआ है। जमीन आवंटन में चल रही देरी के खिलाफ लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। जब बालाकोट में भूकंप आया तो उसके बाद से बचे लोगों को अस्थायी आवासों में रखा गया है। इन अस्थायी आवासों के बारे में नाराजगी जताते हुए लोगों ने कहा कि उन्हें घातक आपदा के बाद स्थानांतरित किया गया लेकिन आज तक जरूरी सुविधाएं नहीं दी गई।

निर्माधीन अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचा चीन का अंतिम लैब मॉड्यूल 'मेंगशन'

बीजिंग । चीन का अंतिम लैब मॉड्यूल 'मेंगशन' मंगलवार को उसके निर्माणाधीन अंतरिक्ष स्टेशन पहुंच गया है। यह अमेरिका के साथ बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच अंतरिक्ष में अपनी दमदार मौजूदगी बनाए रखने के चीन के एक दशक से भी ज्यादा पुराने प्रयासों का हिस्सा है। मेंगशन मॉड्यूल मंगलवार सुबह तियांगोंग स्टेशन पर पहुंचा।

मेंगशन को दक्षिणी द्वीपीय प्रांत हैनान पर वेनचांग उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से सोमवार दोपहर को भेजा गया था। इसे अंतरिक्ष स्टेशन तक पहुंचने के लिए 13 घंटे से अधिक वक्त लगा। इस मॉड्यूल के प्रक्षेपण के वक्त कई लोगों ने चीनी झंडे लहराए और चीन के पात्रों वाली टी-शर्ट पहनी, जो अंतरिक्ष कार्यक्रम से जुड़े गहरे राष्ट्रीय गौरव को दर्शाता है।

चीन के इस अंतरिक्ष कार्यक्रम के करीबी सैन्य संबंधों का जिक्र करते हुए शंघाई राजनीतिक विज्ञान एवं कानून विश्वविद्यालय में प्रो नी लेक्सियोंग ने कहा कि यह अंतरिक्ष कार्यक्रम एक बड़े देश का प्रतीक है और चीन की राष्ट्रीय रक्षा के आधुनिकीकरण को बढ़ावा देने वाला है। उन्होंने कहा यह चीन के लोगों के विश्वास को बढ़ाने, उनमें देशभक्ति जगाने तथा सकारात्मक ऊर्जा पैदा करने वाला भी है।

मेंगशन या सेलेस्टियन ड्रीम्स चीन के निर्माणाधीन अंतरिक्ष स्टेशन तियांगोंग के लिए दूसरा लैब मॉड्यूल है। दोनों तियान्हे कोर मॉड्यूल से जुड़े हैं, जहां अंतरिक्ष यात्री रहते और काम करते हैं। चीन के सबसे बड़े रॉकेट में शामिल लांग मार्च-5बी के जरिए मेंगशन का प्रक्षेपण किया गया। चीन अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार, तियांगोंग में अभी दो पुरुष और एक महिला अंतरिक्ष यात्री मौजूद हैं। चेन डोंग, काई शुझे और लियु यांग छह महीने के अभियान पर जून की शुरुआत में अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचे थे। वे स्टेशन के निर्माण का काम पूरा करेंगे, अंतरिक्ष में चहलकदमी और अतिरिक्त प्रयोग करेंगे। मेंगशन का वजन करीब 23 टन, ऊंचाई 58.7 फुट और मोटाई 13.8 फुट है।

चीन के निर्माणाधीन अंतरिक्ष स्टेशन के दूसरे लैब घटक के रूप में मेंगशन मॉड्यूल में वैज्ञानिक उपकरणों का इस्तेमाल सूक्ष्म गुरुत्व का अध्ययन करने और द्रव भौतिकी, पदार्थ विज्ञान और मौलिक भौतिकी आदि में प्रयोग करने में किया जाएगा। चीन की अगले साल शुनशन अंतरिक्ष दूरबीन भेजने की योजना है, जो तियांगोग का हिस्सा नहीं है, लेकिन यह स्टेशन की कक्षा की परिक्रमा करेगी और उसकी देखरेख पर नजर रखेगी। चीन के इस अंतरिक्ष कार्यक्रम का संचालन सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की सैन्य इकाई कर रही है।

अमेरिका ने चीन को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र से बाहर रखा है क्योंकि उसके कार्यक्रम का सेना से संबंध है। इसके बावजूद चीन, मेंगशन पर प्रयोगों के लिए यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के साथ भागीदारी कर रहा है तथा फ्रांस, जर्मनी, इटली, पाकिस्तान के साथ कई परियोजनाओं पर काम कर रहा है।

क्यूज़ोन सिटी, फिलीपींस हमें विभिन्न पोशाक पहने हुए क्यूज़ोन सिटी, फिलीपींस हैलोवीन ट्रिक या ट्रीट गतिविधियों में भाग लेते हुए।

शी की कोविड पॉलिसी के विरोध में स्थानीय लोग गा रहे मिथुन चक्रवर्ती का मशहूर गाना जिम्मी, जिम्मी'

बीजिंग । चीन के कई राज्य इन दिनों कोरोना संक्रमण की चपेट में हैं। हाल ही में देश के कई हिस्सों में कोरोना के दो नए सब वैरिएंट मिले थे। कोरोना के बाद से चीन शुरू से ही जीरो कोविड लॉकडाउन पॉलिसी अपना रहा है। इस बीच, चीन के लोग कोविड लॉकडाउन में मिथुन चक्रवर्ती-स्टारर डिस्को डांसर फिल्म का गाना 'जिम्मी, जिम्मी' गा रहे हैं। यह गाना दिवंगत संगीतकार बप्पी लहरी का बेहद हिट गाना है। 'जिम्मी, जिम्मी चीन में लोगों के लिए कोविड लॉकडाउन का विरोध करने के लिए एक नया गाना बन गया है। टिकटॉक और अन्य इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म पर कई वीडियो वायरल हुए जिनमें लॉकडाउन का सामना कर रहे चीनी लोग देश की सख्त जीरो-कोविड नीति पर अपना गुस्सा और निराशा व्यक्त करने के लिए बप्पी दा के गाने का उपयोग करते हुए दिखाई दे रहे हैं। बप्पी दा के संगीत में तैयार पार्वती खान की आवाज में 'जिम्मी-जिम्मी गाना गाया गया है। चीन में हिट गाने को मंडारीन भाषा 'जी मी, जी मी में बनाया गया है। इसका मतलब 'मुझे चावल दो, मुझे चावल दो' होता है। इस गाने के साथ ही लोग वीडियो में खाली बर्तन पीट रहे हैं। गाने के साथ प्रदर्शन कर रहे लोग यह दिखाना चाह रहे हैं कि कैसे वे लॉकडाउन के दौरान आवश्यक खाद्य पदार्थों से वंचित हैं। यह लोग सरकार से कोविड लॉकडाउन के कठोर प्रतिबंधों को हटाने की अपील कर रहे हैं। बता दें कि पिछले महीने देश की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी और उसके नेता शी चिनफिंग ने संकेत दिया था कि जीरो कोविड नीति में कोई ढील नहीं दी जाएगी।

यूएस में हो सकती है ट्रम्प की वापसी

– सर्वे में लगभग 80 प्रतिशत अमेरिकियों ने बाइडेन को नकारा!

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका में आ रहे मिड टर्म चुनावों के बीच हुए एक नए सर्वे ने बाइडेन सरकार की चिंता को बढ़ा दिया है। सोमवार को आए एक सर्वे के अनुसार दस में से लगभग आठ अमेरिकियों का मानना है कि सरकार अपने नियंत्रण में नहीं है। आठ नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनाव से पहले आये इस सर्वे में पाया गया कि 79 फीसदी लोग वर्तमान स्थिति को नियंत्रण से बाहर के रूप में देख रहे हैं, जबकि 21 फीसदी इस बात से असहमत थे। वहीं 73 फीसदी संभावित मतदाता अमेरिका में चीजों को कुछ हद तक या बहुत बुरी तरह से खराब होता हुआ देखते हैं, महज 26 फीसदी ही बाइडेन को लेकर आशावादी दिखे। सर्वे में 56 फीसदी लोगों ने बाइडेन को राष्ट्रपति के तौर पर नकार दिया है। जबकि 44 फीसदी ने उनके प्रदर्शन के बारे में सकारात्मक दृष्टिकोण रखा। सर्वे के अनुसार रिपब्लिकन सदन में अधिकांश सीटें जीतने की अच्छी स्थिति में हैं। सर्वे के बेसलाइन मॉडल में रिपब्लिकन 228 सीटों पर आगे हैं जबकि डेमोक्रेटिक पार्टी के पास सिर्फ 207 सीटें आती दिख रही हैं। सर्वे में मतदाताओं ने बताया कि यदि रिपब्लिकन जीत जाते हैं, तो आधे से अधिक मतदाता उम्मीद करते हैं कि वे अमेरिकी ऊर्जा उत्पादन में

वृद्धि पर जोर देंगे, बिडेन पर महाभियोग लाएंगे, गर्भपात पर प्रतिबंध लगाएंगे और चुनावों में डेमोक्रेटिक जीत को उलट देंगे। इस बीच यदि डेमोक्रेट्स सदन में बहुमत बनाए रखते हैं, तो उत्तरदाताओं से अपेक्षा है कि वे गर्भपात के राष्ट्रीय अधिकार की गारंटी देने वाला कानून पारित करने का प्रयास करें, मेक्सिको के साथ सीमा खोलें, पुलिस फंडिंग में कटौती करें और सामाजिक सुरक्षा बढ़ाएं।

यूक्रेन को परमाणु बम बनाने में मदद कर रहा पाक: इगोर मोरोजोव

मास्को (एजेंसी)।

रूस और यूक्रेन की बीच भीषण युद्ध जारी है। इसमें पाकिस्तान भी आ गया है। यूक्रेन की सेना को तोप के गोले सप्लाइ कर रहे पाकिस्तान को लेकर रूस के सांसद ने सनसनीखेज दावा किया है। रूसी सांसद इगोर मोरोजोव ने कहा है कि यूक्रेन और पाकिस्तान ने परमाणु हथियार बनाने की तकनीक के बारे में चर्चा की है। इगोर रूस के रक्षा कमिटी फेडरेशन काउंसिल के सदस्य हैं।

इससे पहले पाकिस्तान पर उत्तर कोरिया और लीबिया जैसे देशों को परमाणु तकनीक बेचने का खुलासा हो चुका है। इगोर ने कहा यूक्रेन के विशेषज्ञों ने पाकिस्तान की यात्रा की है और इस्लामाबाद से भी एक प्रतिनिधिमंडल यूक्रेन गया है, ताकि परमाणु बम बनाने की तकनीक पर चर्चा की जा सके। उन्होंने यूक्रेन के परमाणु बम को लेकर आयोजित पत्रकार सम्मेलन में यह दावा किया।

रूस ने यह दावा ऐसे समय पर किया है जब उसने यूक्रेन पर डर्टी बम के इस्तेमाल करने की तैयारी की दलील को तेज कर दिया है। रूसी सांसद ने दावा किया कि यूक्रेन की डर्टी बम बनाने की क्षमता किसी से छिपी नहीं है। हालांकि उन्होंने कहा कि वित्तपोषण का मुद्दा मूल है। उन्होंने यूक्रेन के डर्टी बम की चर्चा के दौरान कहा कि यूक्रेन का खतरा वास्तविक है। इगोर ने कहा यूक्रेन अपने बम का इस्तेमाल करने के लिएटोचका यू का इस्तेमाल कम क्षमता के परमाणु हमले के लिए कर सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका की संसद ने इस बात की अनुमति दी है कि राष्ट्रपति कम क्षमता के परमाणु बम का दुनिया में कहीं भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इगोर ने इस बात की आशंका को खारिज नहीं किया कि यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने ब्रिटेन और अमेरिकी सहयोगियों से परमाणु हथियारों के बारे में चर्चा की हो। रूसी नेता ने अपने दावे के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया है। पाकिस्तानी कंपनी ने यूक्रेन को हथियार और गोला बारूद की सप्लाइ की है। पाकिस्तान यूक्रेन की सेना को ग्लव्स की भी सप्लाइ कर रहा है। रूसी नेता का अगर दावा सही है तो एक बार फिर से कंगाल पाकिस्तान की सेना परमाणु बम की तकनीक बेचकर पैसा कमाने की फिराक में है।

रुस ने कहा, काला सागर से गुजर रहे जहाजों को नियंत्रित करने के लिए स्वयं कदम उठाएगा

कीव (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र में रूसी राजदूत वसीली नेबेंजिया ने यूक्रेन पर काला सागर के शिपिंग कॉरिडोर' का इस्तेमाल, उसके बेड़े के खिलाफ 'सैन्य और नुकसान पहुंचाने के मकसद से, विश्व बाजारों तक अनाज पहुंचाने के लिए करने का आरोप लगाकर कहा कि इसकारण है कि उसने अनाज समझौते को निलंबित कर दिया। रूस ने साथ ही आगाह किया कि वह उसकी मंजूरी के बिना जाहजों की आवाजाही की अनुमति नहीं देगा। रूस द्वारा बुलाई गई संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक में नेबेंजिया ने कहा, काला सागर संघर्ष का क्षेत्र बना हुआ है और हम अपने निरीक्षण के बिना जहाजों के निर्बाध मार्ग की अनुमति नहीं दे सकते।''

उन्होंने कहा कि रूस वहां से गुजर रहे जहाजों को नियंत्रित करने के लिए स्वयं कदम उठाएगा, हालांकि इस संबंध में उन्होंने कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी।

नेबेंजिया ने यूक्रेन पर पश्चिमी ताकतों खासकर ब्रिटेन की मदद से मानवीय आनाज गलियारे की आड़ में'' रूस के काला सागर बेड़े और सेवस्तोपोल के बुनियादी ढांचे पर बड़े पैमाने पर हवाई और समुद्री हमले'' करने का आरोप लगाया। ये हमले 29 अक्टूबर की सुबह किए गए। संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता से यूक्रेन से विश्व बाजारों में अनाज पहुंचाने के लिए रूस इस समझौते पर सहमत हुआ था। रूस ने हमलों का आरोप लगाते हुए यूक्रेन से अनाज का निर्यात करने के समझौते को निलंबित करने की घोषणा की है।

राष्ट्रपति हर्जोग ने येरुशलम में डाला वोट, कहा राजनीतिक गतिरोध तोड़ने के लिए मतदान जरूर करें

–इजराइल में 4 साल से भी कम समय में 5वीं बार हो रहा आम चुनाव

येरुशलम(एजेंसी)।

इजराइली राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने मंगलवार सुबह येरुशलम में मतदान करते हुए नागरिकों को ऐसे समय में अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने का आग्रह किया, जब कई देशों में अरबों लोग इस अहम लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित हैं। इजराइल में राजनीतिक गतिरोध तोड़ने के लिए हो रहे आम चुनावों के लिए मंगलवार सुबह मतदान शुरू हुआ। चार साल से भी कम समय में पांचवीं बार आम चुनाव कराए जा रहे हैं।

मतदान केंद्र स्थानीय समयानुसार सुबह सात बजे खुले, मतदान प्रक्रिया रात 10 बजे तक चलेगी लेकिन आधिकारिक नतीजे बुधवार तक आने की संभावना नहीं है।

सरकार बनाने की प्रक्रिया हफ्तों तक चल सकती है। हर्जोग ने कहा इजराइल सच्चा लोकतंत्र है। लाखों मतदाता आज वोट डालने तथा देश का भविष्य एवं दिशा तय करने जाएंगे। यह एक समृद्ध लोकतंत्र हैं, जिसमें कई आवाजें हैं। इजराइल के करीब 67.8 लाख नागरिक मतदान के योग्य हैं और वे 25वीं इजराइली संसद (नेसेट) का चुनाव करेंगे।

राष्ट्रपति ने कहा हमें इस बड़े अधिकार का हमेशा सम्मान करना चाहिए, क्योंकि कई सारे देश तथा अरबों लोग हैं जो दुर्भाग्यपूर्ण रूप से इस अधिकार से वंचित हैं। प्रधानमंत्री येर लापिद ने अपनी पत्नी लिही के साथ तेल अवीव में अपने आवास के समीप स्थित मतदान केंद्र पर वोट डाला। उन्होंने अपनी पार्टी 'येश आतिद' को चुनने का परोक्ष संदेश देते हुए कहा सुप्रभात, समझदारी से वोट डालें। इजराइल के लिए, हमारे बच्चों के भविष्य और हमारे भविष्य के लिए वोट डालें।

'हकीकी आजादी' मार्च ने इमरान खान की बढ़ाई ताकत, पाकिस्तान निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ उठाएंगे कड़ा कदम

इस्लामाबाद।(एजेंसी)।

पाकिस्तान में इस समय राजनीतिक कोहराम मचा हुआ हैं। पाकिस्तान की आवाम में इमरान खान के लिए प्रेम है और लोगों के अंदर इमरान के लिए सहानुभूति भी हैं। इसका एक नजारा इमरान खान की लॉन्ग मार्च के दौरान इकठ्ठा हुई भीड़ से देखने को मिला हैं। लाहौर से इस्लामाबाद की ओर कूच करने वाली इमरान खान की लॉन्ग मार्च ने मौजूदा शहबाज सरकार की नाक में दम कर दिया हैं। इमरान खान की इस मार्च के पीछे का कारण है मुल्क में दौबारा चुनाव जल्द से जल्द करवाने का। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने अपनी सत्ता को पाने के लिए कड़ा संघर्ष किया हैं। ऐसे में मौजूदा सरकार ने इमरान खान का छवि को खराब करने में कोई कसर नहीं छोड़ी हैं। इमरान खान की संसद सदस्यता तक को खत्म करवा दिया गया। अपने खिलाफ की गयी सभी कृत्यों को लेकर इमरान खान एक्शन में आ गये हैं।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त को निशाना बनाया और कहा कि उन्हें (खान को) अयोग्य घोषित कर उनकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने को लेकर उनके खिलाफ वह 10 अरब रुपये का मानहानि का एक मुकदमा करेंगे। अपदस्थ प्रधानमंत्री ने अपने 'लॉग मार्च' के चौथे दिन की शुरूआत पर समर्थकों को संबोधित करते हुए यह कहा। खान ने ऐलान किया कि उनका मकसद इस्लामाबाद तक मार्च कर हकीकी आजादी (असली आजादी) हासिल करना है, जो तभी संभव होगा जब स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव शीघ्र कराये जाएंगे।

पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) की पांच सदस्यीय एक समिति ने खान(70) को इस महीने की शुरूआत में मौजूदा नेशनल असेंबली की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया था। समिति के अध्यक्ष सिकंदर सुलतान रजा हैं जो देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त हैं। खान ने कामोनकी में अपनी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा, ''सिकंदर सुल्तान, मैं आपको अदालत ले जाऊंगा...ताकि भविष्य में आप किसी के निर्देश पर किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा को नुकसान नहीं पहुंचाएं। '' उन्होंने आरोप लगाया कि तोशाखाना और निषिद्ध फंडिंग मामले में उनके खिलाफ ईसीपी के फैसले मौजूदा सरकार के निर्देश पर दिये गये।

उन्होंने कहा, ''आप (सिकंदर) चोरों के दोस्त हैं और कार्रवाई की जाएगी।'' पाकिस्तान के कानून के मुताबिक, अन्य देशों के किसी गणमान्य व्यक्ति से मिलने वाला कोई तोहफा अवश्य ही तोशाखाना में रखा जाना चाहिए। पूर्व प्रधानमंत्री ने इससे पहले घोषणा की थी कि वह रजा के खिलाफ मानहानि का एक मामला दर्ज करेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री ने एक निजी टेलीविजन चैनल से बातचीत करते हुए यह घोषणा की। उन्होंने देश के शक्तिशाली

प्रतिष्ठान को भी निशाना बनाते हुए कहा कि किसी देश के ''प्रतिष्ठान को कभी राष्ट्र के खिलाफ नहीं होना चाहिए।

आपको बता दें कि आंतरिक सूत्रों का कहना है कि इमरान की मार्च से शहबाज शरीफ का खेमा हिल गया है और वह कुछ भी करके मार्च को खत्म करना चाहता है। भीड़ को देखते हुए 13000 पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया हैं। वहीं मीडिया को भी कवरेज करने से रोका जा रहा हैं। इस्लामाबाद पुलिस ने एक अप्रत्याशित कदम उठाते हुए होटलों और अतिथि गृहों को पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की अगुवाई वाली रैली में हिस्सा लेने वाले उनके समर्थकों को ठहरने की सुविधा उपलब्ध कराने से रोक दिया। इमरान खान देश में फिर से जनरल चुनाव करवाना चाहते हैं। इमराम को विश्वास है कि पाकिस्तान की आवाम उनका साथ देगी क्योंकि शहबाज शरीफ ने आइन (संविधान) का अपमान किया हैं।

पिछली गलतियों में सुधार कर आज बांग्लादेश के खिलाफ जीतने उतरेगी भारतीय टीम

मौसम का मिजाज भारत के सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद को दे सकता झटका

एडिलेड (एजेंसी)।

विकेटकीपर और बल्लेबाज ऋषभ पंत को भले ही शीर्ष क्रम में उतारने की मांग उठ रही हो, लेकिन भारत बुधवार को बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले मैच में खराब फॉर्म में चल रहे लोकेश राहुल के साथ ही मैदान पर उतर सकता है। बांग्लादेश की टीम उलटफेर करने में माहिर है, लेकिन इस मैच में भारत जीत के प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगा। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पर्थ की तेज और उछाल भरी पिच पर भारतीय बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन के बाद मुख्य कोच राहुल द्रविड़ भी कुछ बिंदुओं पर सोचने के लिए मजबूर हुए हैं।

केएल राहुल अभी तक तीन मैचों में केवल 22 रन बना पाए हैं, और पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ वह पूरी तरह से विफल रहे, इसके बाद राहुल के खेल को लेकर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि राहुल अंतिम एकादश में बने रह सकते हैं, क्योंकि द्रविड़ का उन पर बहुत भरोसा है। बांग्लादेश की टीम को टी20 क्रिकेट में कमजोर माना जाता है और उसके आक्रमण के सामने राहुल के लिए फॉर्म में वापसी करने का आदर्श मौका होगा।

मुस्ताफिजुर रहमान, तस्कीन अहमद, मेहदी हसन मिराज, कप्तान शाकिब अल हसन और हसन महमूद का बांग्लादेशी आक्रमण अच्छा है, लेकिन निश्चित तौर पर वह विश्वस्तरीय नहीं है। भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव और विराट कोहली पहले ही बेहतरीन पारियां खेल चुके हैं, जबकि रोहित शर्मा ने नीदरलैंड के खिलाफ शानदार अर्धशतक जमाया था। लेकिन पंत को अंतिम एकादश में नहीं रखने का फैसला सभी को अखर रहा है। दिनेश कार्तिक पिछले मैच में चोटिल हो गए थे और इसके बाद बांग्लादेश के खिलाफ पंत को अंतिम एकादश में जगह मिल सकती है।

बांग्लादेश की टीम में बाएं हाथ के चार बल्लेबाज हैं। इसमें कप्तान शाकिब, सलामी बल्लेबाज सौम्य सरकार और नजमुल हुसैन शंटो तथा मध्यक्रम के बल्लेबाज अफीफ हुसैन शामिल हैं। इसके बाद देखना दिलचस्प होगा कि रविचंद्रन अश्विन को टीम में बरकरार रखा जाएगा या उनकी जगह अक्षर पटेल को मौका मिलेगा। पिछले मैच में डेविड मिलर ने अश्विन की जमकर धुनाई की थी। भारतीय तेज गेंदबाजों भुवनेश्वर कुमार, अर्शदीप सिंह और मोहम्मद शमी को बांग्लादेश के बल्लेबाजों से निपटने में परेशानी नहीं होनी चाहिए। बांग्लादेश के बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजों के अनुकूल पिचों पर अभी तक जूझते रहे हैं।

अभी तक तीन मैचों में केवल शंटो ही 100 से अधिक रन बना पाए हैं। उनके बाद मध्यक्रम के बल्लेबाज अफीफ का नंबर आता है। भारतीय गेंदबाजों के सामने उनके बल्लेबाजों पर दबाव होगा। पहले गेंदबाजी का फैसला करने वाली टीम एडिलेड की मशहूर संध्या के समय का फायदा उठा सकती है जबकि गेंद अधिक स्विंग करती है।

कोच राहुल द्रविड़ ने कहा, कोहली पूरी तरह से ठीक हैं, उन्होंने काफी अच्छे से प्रैक्टिस की

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पर्थ में भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली के साथ जिस तरह की घटना घटी और उनके कमरे की वीडियो रिकार्डिंग करके सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया ये बेहद चौंकाने वाला रहा। इस घटना को लेकर खुद विराट कोहली ने भी अपना रोष जाहिर किया था। उनके स्पोर्ट में उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा सहित कई पूर्व दिग्गज क्रिकेटर भी आ खड़े हुए थे। हालांकि बाद में दोषी को पकड़ लिया गया, होटल की तरफ से कोहली से माफी मांगी गई और वीडियो को भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म से हटा दिया गया।

जाहिर है इतना कुछ होने के बाद किसी भी व्यक्ति के दिमाग पर असर होगा ही और भला हो विराट कोहली का जिन्होंने इस घटना के बाद भी किसी भी तरह की शिकायत पुलिस में करने से मना कर दिया। खैर इन सारी बातों के बीच बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले मैच से पहले टीम इंडिया के कोच राहुल द्रविड़ ने विराट कोहली की मानसिक स्थिति के बारे में जानकारी देकर बताया कि कोहली पूरी तरह से ठीक हैं और उन्होंने इस घटना से निपटते हुए इस पीछे छोड़ दिया है साथ ही उन्होंने काफी अच्छे से प्रैक्टिस की है।

द्रविड़ ने कोहली की जमकर तारीफ कर कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ विराट कोहली अभूतपूर्व थे और 19वें ओवर में उन्होंने जो दो छक्के लगाए वहां गजब का था। बता दें कि भारत को पाकिस्तान पर 4 विकेट से जीत मिली थी जिसमें कोहली की नाबाद अर्धशतकीय पारी का बड़ा योगदान था। वहीं अब टीम इंडिया को अपना चौथा ग्रुप मैच बांग्लादेश के खिलाफ एडिलेड में खेलना हैं। टीम इंडिया को सेमीफाइनल की राह आसान करने के लिए इस मैच में जीतना जरूरी है। हालांकि एडिलेड में बारिश होने की संभावना है, इसके बाद भारतीय टीम चाहेगी कि ये मैच किसी भी तरह से संपन्न हो।

जो धोनी से दुनिया को सिखाया, उसका खामियाजा हम भुगत रहे : रविंद्र जडेजा

मुंबई (एजेंसी)।

भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए सुपर-12, ग्रुप 2 मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। इस हार के पीछे के कारणों पर बात करते हुए भारतीय ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने कहा कि इसका कारण महेंद्र सिंह धोनी हैं, जिन्होंने दुनिया को सिखाया और उसका खामिआजा हम भुगत रहे हैं। भारत का अगला मुकाबला बुधवार को बांग्लादेश से होगा।

जडेजा ने मैच पर बात करते हुए कहा, डेविड मिलर ने जो किया है वह खेल को दूसरे स्तर पर ले गए। उन्होंने अपनी पारी में ना तो कोई शॉट जोड़ा और ना ही कुछ अतिरिक्त जोड़ा। वह शांत रहे और खेल को गहराई तक ले जाकर विपक्ष के गलती करने का इंतजार कर रहे थे। एमएस धोनी ने बाकी दुनिया को जो सबक सिखाया है, उसका खामियाजा हमें भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने रोहित की कप्तानी के बारे में भी विस्तार से बात कर कहा कि भारतीय कप्तान अपने गेंदबाजों को प्रभावी ढंग से रोटेट करने में विफल रहे। जडेजा ने कहा, ऐसा लगा कि रोहित अपने संसाधनों का अच्छी तरह से उपयोग नहीं कर पा रहे हैं या वह किसी विशेष गेंदबाज को किसी विशेष स्थिति में इस्तेमाल करने के लिए फंस गए हैं। अर्शदीप सिंह शीर्ष पर तीन ओवर फेंक सकते थे, लेकिन शायद उन्होंने सोचा था कि फिर और कौन बैकएंड पर ध्यान रखेगा। कुछ ऐसे कारक हैं जो अभी भी सहज नहीं हैं।

टी20 विश्व कप: इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को 20 रन से हराया, सेमीफाइनल की दौड़ में बरकरार

ब्रिसबेन (एजेंसी)।

सलामी बल्लेबाजों जोस बटलर और एलेक्स हेल्स के अर्धशतक के बाद सैम कुरेन और क्रिस वोक्स की उम्दा गेंदबाजी से इंग्लैंड ने मंगलवार को यहां न्यूजीलैंड को आईसीसी टी20 विश्व कप मुकाबले में 20 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने की उम्मीद जीवंत रखी।

इंग्लैंड के 180 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की टीम कुरेन (26 रन पर दो विकेट) और वोक्स (33 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने छह विकेट पर 159 रन ही बना सकी। ग्लेन फिलिप्स (62) ने अर्धशतक जड़ने के अलावा कप्तान केन विलियमसन (40) के साथ तीसरे विकेट के लिए 91 रन जोड़े लेकिन यह टीम को जीत दिलाने के लिए नाकाफी था। इस जीत से ग्रुप एक में इंग्लैंड सहित तीन टीम के चार मैच में पांच अंक हो गए हैं। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के भी इतने ही अंक हैं।

बेहतर नेट रन रेट के कारण न्यूजीलैंड शीर्ष पर और इंग्लैंड दूसरे स्थान पर है। इंग्लैंड ने कप्तान बटलर (47 गेंद में 73 रन, सात चौके, दो छक्के) और हेल्स (40 गेंद में 52 रन, सात चौके, एक छक्का) के बीच पहले विकेट की 81 रन की साझेदारी से छह विकेट पर 179 रन बनाए। न्यूजीलैंड को अपना पांचवां और अंतिम ग्रुप मैच चार नवंबर को आयरलैंड से खेलना है जबकि इंग्लैंड की टीम इसके अगले दिन श्रीलंका से भिड़ेगी।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही और टीम ने पांचवें ओवर में 28 रन तक ही दोनों सलामी बल्लेबाजों डेवोन कॉनवे (03) और फिन एलेन (16) के विकेट गंवा दिए। वोक्स के पारी के दूसरे ओवर में विकेटकीपर बटलर ने लेग साइड की ओर गोता लगाते हुए कॉनवे का शानदार कैच लपका। एलेन भी पांचवें ओवर में कुरेन पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में गेंद को हवा में खेल बैठे और स्टोक्स ने डीप मिडविकेट पर आसान कैच लपका। विलियमसन और श्रीलंका के खिलाफ पिछले मैच के शतक जड़ने वाले फिलिप्स ने इसके बाद पारी को संभाला।

आईलीग का 2022-23 सत्र 12 नवंबर से केरल में होगा शुरू: एआईएफएफ

मलप्पुरम। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने मंगलवार को कहा कि आईलीग का 2022-23 सत्र केरल के मलप्पुरम में 12 नवंबर से शुरू होगा। सत्र के पहले मैच में गत चैंपियन गोकुलम केरल एफसी का सामना पिछले साल के उप विजेता मोहम्मडन स्पोर्टिंग से होगा। लीग के पिछले दो सत्र जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में हुए थे और इस दौरान मुकाबलों का आयोजन पश्चिम बंगाल के कोलकाता, कल्याणी और नैहाटी में किया गया। कोविड से जुड़ी पाबंदियां हटने के बाद 12 क्लब देश भर के 13 स्थलों पर खेलते हुए नजर आएंगे। आगामी सत्र में कोझिकोड का ईएमएस स्टेडियम, श्रीनगर का बख्शी स्टेडियम, हैदराबाद का डेक्कन एरेना, नयी दिल्ली का छत्रसाल स्टेडियम पहली बार आईलीग मुकाबलों की मेजबानी करेंगे।

मिताली की भविष्यवाणी, भारत और न्यूजीलैंड के बीच होगा फाइनल मुकाबला

मुंबई । भारतीय महिला टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने टी20 विश्वकप के फाइनल मैच को लेकर भविष्यवाणी की है। मिताली ने कहा की टी20 विश्व कप का फाइनल भारत और न्यूजीलैंड के बीच होगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से सन्यास लेने वाली मिताली ने भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच हुए मैच से कमेंट्री में पदार्पण किया था। महिला क्रिकेट की दिग्गज खिलाड़ी ने इसके साथ ही कहा कि सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका तथा इंग्लैंड और मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया में से कोई टीम पहुंचेगी। मिताली ने कहा, सेमीफाइनल के लिए मेरी भविष्यवाणी है ग्रुप दो से भारत और दक्षिण अफ्रीका, जबकि ग्रुप एक से न्यूजीलैंड तथा इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में से कोई एक टीम सेमीफाइनल में होगी। जहां तक की फाइनल की बात है, उसमें कोई शक नहीं कि भारत इस मुकाम तक पहुंचेगा जहां उसका सामना न्यूजीलैंड से हो सकता है।' गौर हो कि भारत ने टी20 विश्व कप में लगातार दो मैच (पाकिस्तान और नीदरलैंड) जीतने के बाद दक्षिण अफ्रीका के हाथों करीबी मुकाबले में हार का सामना किया था। भारत तीन मैचों में 4 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं दक्षिण अफ्रीका तीन मैचों में 5 अंक के साथ पहले स्थान पर है। अब भारत का चौथा मैच बांग्लादेश से 2 नवबंर को होगा। बांग्लादेश भी तीन मैचों में दो जीत के साथ चार अंक लिए हुए है, लेकिन नेट रन रेट के कारण तीसरे स्थान पर है।

श्रीलंका की अफगानिस्तान पर बड़ी जीत, अंक तालिका में इंग्लैंड से आगे निकली

जीत से सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद बरकरार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

वानिंदु हसारंगा और धनंजय डिसिल्वा के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर श्रीलंका ने बड़ी जीत दर्ज की। टीम ने टी20 वर्ल्ड कप के एक अहम मुकाबले में मंगलवार को अफगानिस्तान को 6 विकेट से हराया। यह टीम की टूर्नामेंट दूसरी जीत है, और वह प्वाइंट टेबल में इंग्लैंड को पीछे छोड़कर तीसरे नंबर पर पहुंच गया है। उसके सेमीफाइनल में भी पहुंचने की उम्मीद बची हुई है। मैच में अफगानिस्तान ने पहले खेलकर 8 विकेट पर 144 रन बनाए। लेग स्पिनर हसारंगा ने 3 विकेट झटके। जवाब में श्रीलंका ने धनंजय डिसिल्वा के अर्धशतक के सहारे लक्ष्य को 18.3 ओवर में 4 विकेट पर हासिल कर लिया। अफगानिस्तान की टीम नॉकआउट की रेस से बाहर हो गई है।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम की शुरुआत हालांकि अच्छी नहीं रही। पथुम निसंका 10 रन बनाकर ऑफ स्पिनर मुजीब उर रहमान की गेंद पर बोल्ड हुए। कुसल मेंडिस 25 रन बनाकर लेग स्पिनर राशिद खान की गेंद पर आउट हुए। 46 रन पर 2 विकेट गंवाने के बाद धनंजय और चरित असलंका ने अर्धशतकीय साझेदारी करके स्कोर को 100 रन तक पहुंचाया। असलंका 18 गेंद पर 19 रन बनाकर राशिद का दूसरा शिकार हुए। धनंजय 42 गेंद पर 66 रन बनाकर नाबाद रहे। 6 चौके और 2 छक्के लगाए। भानुका राजपक्षे 14 गेंद पर 16 रन बनाकर मुजीब की गेंद पर आउट हुए। दासुन शनाका शून्य रन बनाकर आउट नहीं हुए।

इसके पहले वानिंदु हसरंगा की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से श्रीलंका ने अफगानिस्तान को बड़ा स्कोर बनाने नहीं दिया। अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी कर अच्छी शुरुआत की, लेकिन इसके बाद टीम ने नियमित अंतराल में विकेट गंवाए। सलामी बल्लेबाज रहमानुल्ला गुरबज ने 28 और उस्मान गनी ने 27 रन बनाए। श्रीलंका के लिए हसरंगा ने 4 ओवर में 13 रन देकर 3 विकेट जबकि तेज गेंदबाज लाहिरू कुमारा ने 4 ओवर में 30 रन देकर 2 विकेट लिए।

पहले 2 ओवरों में गेंद स्विंग कर रही थी, लेकिन इसके बाद श्रीलंकाई गेंदबाज पावरप्ले के ओवरों में अपनी लेंथ पर नियंत्रण नहीं रख सके। गुरबज ने इस बीच आक्रामक रवैया अपनाया। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने कासुन रजिता पर छक्का लगाकर अपने तूफानी तेवर जारी रखे, जिससे अफगानिस्तान ने पावरप्ले के 6 ओवरों में 42 रन बनाए। इसके बाद कुमारा ने श्रीलंका को पहली सफलता दिलाई। गुरबज बड़ी पारी खेलने की स्थिति में दिख रहे थे, लेकिन कुमारा ने उनके बल्ले और पैड के बीच से गेंद निकालकर उन्हें बोल्ड कर दिया।

इसके बाद स्पिनरों ने जिम्मा संभाला और रन गति पर अंकुश लगाया। गनी ने इस बीच कुमारा पर लांग ऑफ पर छक्का लगाया। इसके बाद उन्होंने हसरंगा पर छक्का लगाने के प्रयास में डीप मिडविकेट पर कैच थमा दिया। कुमारा ने इसके बाद इब्राहिम जादरान (22) के रूप में अपना दूसरा विकेट लिया। कप्तान मोहम्मद नबी (13) भी देर तक नहीं टिक पाए।

शुभमन गिल ने अपने टी20 करियर का पहला शतक जड़ा

नई दिल्ली । शुभमन गिल ने अपने टी20 करियर का पहला शतक जड़ा। एक दिन पहले ही उन्हें न्यूजीलैंड और बांग्लादेश सीरीज के लिए टीम इंडिया में जगह मिली थी। टी20 मुश्ताक अली ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में उन्होंने पंजाब की ओर से खेलकर कर्नाटक के खिलाफ यह कारनामा किया। उन्होंने 55 गेंद पर 126 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 229 का रहा। 11 चौकें और 9 छक्के जड़े। यानी 98 रन सिर्फ बाउंड्री से बनाए। मैच में पंजाब ने पहले खेलकर 4 विकेट पर 225 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया है। जवाब में समाचार लिखे जाने तक कर्नाटक ने 20 रन पर 3 विकेट गंवा दिए हैं। टीम ने 10 रन पर 2 विकेट गंवा दिए थे। लेकिन ओपनर बल्लेबाज शुभमन गिल एक ओर से डटे रहे। उन्होंने तीसरे विकेट के लिए अनमोलप्रीत सिंह के साथ 151 रन की बड़ी साझेदारी की। गिल ने 49 गेंद पर शतक पूरा किया। वहीं अनमोलप्रीत 43 गेंद पर 59 रन बनाकर आउट हुए। सनवीर सिंह ने 13 गेंद पर 27 रन बनाए। कर्नाटक की ओर से कृष्णप्पा गौतम बेहद महंगे साबित हुए और 4 ओवर में 49 रन लुटाए। गिल ने इससे पहले आईपीएल 2022 में 450 से अधिक रन बनाए थे और गुजरात टाइटंस को चैंपियन बनाने में अहम रोल निभाया था। उन्होंने मैच से पहले तक टी20 की 90 पारियों में 32 की औसत से 2406 रन बनाए थे। स्ट्राइक रेट 126 का था। 96 रन की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली थी। यानी अब उनके 2500 रन पूरे हो चुके हैं। वे फर्स्ट क्लास क्रिकेट की 65 पारियों में 54 की औसत से 3121 रन बना चुके हैं। 8 शतक और 16 अर्धशतक लगाया है. 268 रन की बेस्ट पारी खेली है। शुभमन गिल टीम इंडिया की ओर से अब तक 11 टेस्ट और 12 वनडे के मुकाबले खेल चुके हैं।

बांग्लादेश के कप्तान हसन का बड़ा बयान, भारत यहां वर्ल्ड कप जीतने आया

पर्थ । एडिलेड के ओवल में बुधवार को भारत का मुकाबला बांग्लादेश से होगा। मैच से पहले मंगलवार को बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन ने बड़ा बयान दिया। हसन ने कहा कि भारत यहां वर्ल्ड कप जीतने आया है। बांग्लादेश टूर्नामेंट जीतने के लिए नहीं है। मैच के एक दिन पहले बांग्लादेश के कप्तान का यह बयान सुर्खियों में है। हसन ने कहा, अगर वे भारत को हरा देते हैं, तब यह बड़ा उलटफेर होगा। हर मैच हमारे लिए महत्वपूर्ण है और हम उसी दृष्टिकोण के साथ खेलना चाहते हैं। हम किसी एक विपक्ष पर ध्यान केंद्रित नहीं करना चाहते हैं। हम सिर्फ अपनी योजनाओं पर टिके रहना चाहते हैं। हम सिर्फ खेल के सभी विभागों में एक टीम के रूप में बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं। शाकिब ने कहा, हम अपने बचे हुए दो मैचों में अच्छा खेलना चाहते हैं। अगर हम भारत या पाकिस्तान के खिलाफ जीत हासिल कर पाते हैं, तब यह एक उलटफेर होगा। रिकॉर्ड में दोनों टीमें हमसे बेहतर हैं, अगर हम अच्छा खेलते हैं और यह हमारा दिन रहा तो ऐसा कोई कारण नहीं है कि हम जीत नहीं सकते। हमने आयरलैंड और जिम्बाब्वे जैसी टीमों को इंग्लैंड और पाकिस्तान को हराते हुए देखा है। अगर हम ऐसा करने में सक्षम हैं, तब मुझे खुशी होगी। बता दें कि भारत और बांग्लादेश दोनों के फिलहाल ग्रुप 2 में 4 अंक हैं। भारत की एक जीत से सेमीफाइनल में जगह बनाने की उनकी संभावना और मजबूत हो जाएगी। वहीं अगर बांग्लादेश जीता, तब भारत की उम्मीदों को झटका लग सकता है।

ज्यादा से ज्यादा मौकों को गोल में बदलकर अच्छे नतीजे हासिल करना होगा: हरमनप्रीत सिंह

भुवनेश्वर (एजेंसी)।

भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने एफआइएच पुरुष प्रो लीग में निचली रैंकिंग की स्पेन से मिली हार के बाद कहा कि उनकी टीम को ज्यादा से ज्यादा मौकों को गोल में बदलकर अच्छे नतीजे हासिल करना होगा। भारत को स्पेन से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा जो मौजूदा चरण में उसकी पहली हार है। इसके बाद पेनाल्टी कार्नर से मिले मौकों का फायदा उठाने को लेकर फिर चर्चा शुरू हो गई।

भारत ने टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में न्यूजीलैंड पर 4-3 से रोमांचक जीत दर्ज की थी। दुनिया की पांचवें नंबर की भारतीय टीम ने आठवीं रैंकिंग की स्पेन के खिलाफ पांच पेनाल्टी कार्नर हासिल किए, लेकिन टीम एक को ही गोल में बदल पाई जो हरमनप्रीत ने 27वें मिनट में किया।

हरमनप्रीत ने कहा, 'हम काफी मौके बना रहे थे। हमें काफी पेनाल्टी कार्नर भी मिले। हम विभिन्न संयोजन और विविधताओं की कोशिश कर रहे थे, लेकिन कभी कभार ये काम नहीं करते। हमें अगले हफ्ते दो और मैच खेलने हैं, इसलिए उम्मीद करते हैं कि हम ज्यादा से ज्यादा मौकों को गोल में बदलने की कोशिश करने वाले हैं। टीम के लिए एक मैदानी गोल अभिषेक ने 55वें मिनट में किया। भारतीय टीम अब 'रिवर्स चरण' के मुकाबलों में चार नवंबर को न्यूजीलैंड और छह नवंबर को स्पेन से भिड़ेगी। हरमनप्रीत ने कहा, 'हम पूरे दबदबे से खेलने की कोशिश करते हैं। इसलिए हम ज्यादा मौके बना सकते हैं। हम काफी पास दे पा रहे थे और प्रतिद्वंद्वी के सर्कल में प्रवेश कर रहे थे, लेकिन हम अपनी 'फिनिशिंग' में सुधार कर सकते हैं।'

ताइक्वांडो प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

अनुगामिनी नि.सं.

मंगन, 01 नवम्बर । सिक्किम ओलम्पिक संघ द्वारा राज्य के खेल व युवा मामलों के सहयोग से आगामी दूसरे पूर्वोत्तर ओलम्पिक खेल 2022 के लिए राज्य टीम को तैयार करने हेतु ताइक्वांडो प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिला खेल व युवा मामलों की उपनिदेशक श्रीमती जानिम लेप्चा और सहायक कोच फुर्बा शेर्पा की देखरेख में स्थानीय मंगन गवर्नमेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में 24 अक्टूबर से शुरू हुआ यह शिविर आगामी 5 नवम्बर तक चलेगा।

जानकारी के अनुसार 10 से 16 नवम्बर तक मेघालय में आयोजित होने वाले दूसरे पूर्वोत्तर ओलम्पिक खेलों में आठ पूर्वोत्तर राज्यों के 3000 से अधिक एथलीट शामिल होंगे। ये सभी 18 विभिन्न खेलों में भाग लेंगे। इन खेलों में तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, फुटबॉल, जूडो, कराटे, निशानेबाजी, तैराकी, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, टेनिस, वुशु, माउंटेन साइक्लिंग, गोल्फ, भारोत्तोलन और कुश्ती आदि शामिल हैं। इनके खेल शिलांग के 13 विभिन्न स्थानों में आयोजित होंगे।

उल्लेखनीय है कि सिक्किम की ताइक्वांडो टीम में 32 एथलीट शामिल हैं। उनके अलावा 10 एथलीट गंगटोक में पूमसे प्रशिक्षण में हैं और 22 एथलीटों को मंगन में प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रतियोगिता में भागीदारी हेतु सिक्किम राज्य की पूरी 8 नवम्बर को रवाना होगी।

मनुष्य का इतिहास जितना पुराना, उतना ही पुराना नृत्य का इतिहास : भूपेश बघेल

रायपुर, 01 नवम्बर (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि मनुष्य का इतिहास जितना पुराना है उतना ही पुराना नृत्य का इतिहास है। दुनियाभर के आदिवासियों की नृत्य शैली, वाद्ययंत्र में समानता है। यह अद्भुद संयोग है कि दुनियाभर के आदिवासी नृत्यों की शैली, ताल, लय में बहुत समानताएं हैं।

ऐसा इसलिए है क्योंकि पूरी दुनिया के आदिवासियों का हृदय एक ही है। उन हृदयों के भाव एक ही हैं। उनके सपने, उनकी आशाएं और उनकी इच्छाएं एक ही हैं। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का उद्देश्य आदिम संस्कृति को बचाये रखना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव की जब हम लोगों ने शुरुआत की, तब हमने यही सोचा था कि इस ख्रलेटफार्म के माध्यम से हम अपनी सांस्कृतिक खूबसूरती को पूरी दुनिया तक पहुंचाएंगे। लेकिन पहला ही आयोजन इतना सफल रहा कि आज इसका फलक बहुत बड़ा हो गया है। कहने को तो यह राष्ट्रीय आयोजन है, लेकिन इसमें पूरे भारत के जनजातीय समुदायों के साथ-साथ दुनिया के अनेक देशों के जनजातीय समुदाय अपनी भागीदारी निभा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ का राज्य स्थापना दिवस है। आज हमारा विजय दिवस है, क्योंकि आज ही के दिन हमारे पुरखों का संघर्ष सफल हुआ था। हर बार 01 नवंबर को छत्तीसगढ़िया लोगों का दिल उल्लास से भरा होता है। उनका मन थिरक उठता है। राज्य स्थापना दिवस के साथ राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का यह स्वभाविक संगम है। मुख्यमंत्री ने भारत के सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और दुनिया भर के जनजातीय कलाकारों को धन्यवाद देते हुए कहा कि देश दुनिया के आदिवासी कलाकार हमारी खुशियों में शामिल होने आए हैं। वे हमारे साथ थिरक रहे हैं और अपनी सांस्कृतिक खूबसूरती के रंगों से हमारी संस्कृति को और भी सुंदर बना रहे हैं। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव एक दूसरे विचारों और अनुभवों का साझा करने का बड़ा अवसर भी है। हम सब एक दूसरे से सीखेंगे, जानेंगे, समझेंगे और मिलजुलकर सोचेंगे कि दुनिया को किस तरह बेहतर बनाया जाए।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के आदिवासी कलाकारों को विदेश में प्रस्तुति का अवसर और मंच प्रदान करने के लिए राज्य सरकार और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद नई दिल्ली के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) हेतु सहमति बनी है, जिससे आदिवासी संस्कृति के प्रसार और विनिमय का दायरा बढ़ेगा।

आईएएनएस द्वारा मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से पूछे जाने पर कि उनकी सरकार छत्तीसगढ़ के आदिवासी समुदाय के लोगों के उत्थान के लिए उनके रोजी रोजगार के लिए क्या कदम उठा रही है और क्या कदम उठाए हैं ? इसका जवाब देते हुए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि लगातार हम लोग छत्तीसगढ़ में आदिवासी समुदाय के लिए और सभी लोगों के लिए लगातार हम लोग कार्य कर रहे हैं चाहे वह किसानों की ऋण माफी हो, अभी 2500 रुपए में धान खरीदी का फैसला हम लोगों ने लिया, लघुउपज 65 प्रकार की खरीदी कर रहे हैं इसका वैल्यू एडिशन कर रहे हैं। 4 हजार प्रति मानक बोरा की दर से तेंदूपत्ता खरीद रहे हैं, तो आर्थिक रूप से बड़ा संपन्न बना रहे हैं।

पीएम ने मोरबी पुल हादसे की जगह का दौरा किया, घायलों से की मुलाकात

गांधीनगर, 31 अक्टूबर (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को गुजरात के मोरबी में पुल ढहने वाली जगह का दौरा किया और आपदा के बाद की जमीनी स्थिति का जायजा लिया, हादसे में कम से कम 141 लोगों की जान चली गई।

प्रधानमंत्री ने उन लोगों से भी मुलाकात की, जो घायल हैं और अस्पताल में भर्ती हैं। पीएम ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। पीएम मोदी के दुर्घटनास्थल के दौरे के दौरान, उन्हें मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी और अन्य अधिकारियों ने 30 अक्टूबर की घटना के बारे में जानकारी दी।

घायल व्यक्तियों में से एक, अश्विन ने मीडिया को बताया कि पीएम मोदी ने उनसे लगभग पांच मिनट तक बात की, इस दौरान उन्होंने उनसे दुर्घटना के बारे में पूछा। अश्विन ने कहा, उन्होंने मुझसे मेरे स्वास्थ्य के बारे में पूछा और शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की।

पीड़ित ने यह भी बताया कि कैसे रविवार को पुल गिर गया था। उन्होंने कहा, मैंने दो बार कर्कश आवाज सुनी थी..और तीसरी बार इसी तरह की आवाज सुनने के बाद, पुल अंतत: गिर गया। इससे पहले मंगलवार को पीएम मोदी ने गुजरात के पंचमहल के जंबुघोड़ा में करीब 860 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

गुजरात चुनाव से पहले केंद्र का बड़ा फैसला, 3 देशों के अल्पसंख्यकों को मिलेगी राज्य में नागरिकता

नई दिल्ली, 01 नवम्बर (एजेन्सी)। गुजरात में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले केंद्रीय गृह मंत्रालय ने नागरिकता को लेकर बड़ा फैसला किया है।

गुजरात के 2 जिलों आणंद और मेहसाणा में रह रहे पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के अल्पसंख्यकों को भारत की नागरिकता दी जाएगी।

गृह मंत्रालय ने इसको लेकर अधिसूचना भी जारी कर दी है (केंद्रीय गृह मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आने वाले और इस समय गुजरात के आणंद और मेहसाणा जिलों में रह रहे हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई लोगों को नागरिकता कानून 1955 के तहत भारतीय नागरिकता दी जाएगी। ये लोग लंबे समय से गुजरात में शरणार्थी के रूप में रह रहे थे।

गृह मंत्रालय की अधिसूचना के मुताबिक नागरिकता अधिनियम, 1955 की धारा 6 के तहत और नागरिकता नियम, 2009 के प्रावधानों के अनुसार इन सभी को भारत के नागरिक के रूप में पंजीकरण की अनुमति दी जाएगी या उन्हें देश के नागरिक का प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

अधिसूचना में ये भी कहा गया है कि गुजरात के इन दो जिलों में रहने वाले ऐसे लोगों को अपने आवेदन ऑनलाइन जमा करने होंगे, जिनका सत्यापन जिला स्तर पर कलेक्टर द्वारा किया जाएगा। आवेदन और उस पर रिपोर्ट एक साथ केंद्र सरकार के लिए ऑनलाइन उपलब्ध कराई जाएगी। कलेक्टर जरूरी समझने पर आवेदक के नागरिकता पाने के लिए उपयुक्त होने को लेकर किसी भी तरह की जांच कर सकते हैं।

दरअसल विवादास्पद नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 के बजाय नागरिकता अधिनियम, 1955 के तहत नागरिकता देने का यह कदम बेहद महत्वपूर्ण है। ऐसे में इसे गुजरात चुनाव से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

गुजरात में विधानसभा चुनाव की घोषणा किसी भी समय हो सकती है।

गौरतलब है कि 2019 में पारित सीएए में भी तीनों देशों के अल्पसंख्यकों को नागरिकता देने का प्रावधान है।

हालांकि सीएए अभी तक लागू नहीं किया गया है, क्योंकि इसके तहत नियम बनाए जाने बाकी हैं। इसलिए इसके तहत किसी को अभी नागरिकता नहीं दी जा सकती।

ल्यू दुन बुम थेर मोनलाम चेन्मो में शामिल हुए एसबीआईएस के अध्यक्ष डीबी गुरुंग

अनुगामिनी नि.सं.

गेजिंग, 01 नवम्बर । जिले के राब्देंत्से स्थित सांगचेन मेगायांग्से मोनेस्ट्री में ल्यू दुन बुम थेर मोनलाम चेन्मो कमिटी द्वारा 26 अक्टूबर से आयोजित 10वें ऐतिहासिक मेगा ल्यू दुन बुम थेर मोनलाम चेन्मो 2022 का आज सातवां दिन पूरा हो गया। आगामी 4 नवम्बर 2022 को समाप्त होने वाले इस धार्मिक आयोजन में आज इस अवसर पर स्टेट बैंक ऑफ सिक्किम के अध्यक्ष डीबी गुरुंग मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उनके साथ जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अध्यक्ष हरि नारायण सुबेदी भी थे। इस दौरान उनलोगों ने मठ के मुख्य कक्ष में प्रार्थना की और सभी रिन्पोचे से आशीर्वाद लिया।

गौरतलब है कि यह धार्मिक आयोजन न केवल अशुद्धता या संचित गुणों की शुद्धता हेतु किया जाता है, बल्कि 8वीं शताब्दी में गुरु पद्मसम्भव द्वारा की गई भविष्यवाणी के अनुसार इसकी स्थापना के बाद से ही आयोजित किया जाता है। 1647 में इसे जिले के पवित्र स्थल न्हारी निंगपो से ग्यालवा ल्हात्सुन चेन्पो द्वारा प्रकट करने के बाद जाड्रेल रिन्पोचे, क्याबजे यांगथांग रिन्पोचे द्वारा इसकी विरासत को आगे बढ़ाया गया। इस आयोजन को स्थानीय जिंदकों, भक्तों और सिक्किम सरकार के उपशास्त्रीय विभाग द्वारा सहयोग किया जाता है।

उल्लेखनीय है कि धार्मिक समारोह को 2012 से प्लास्टिक मुक्त विषय के साथ गुरु पद्मसम्भव द्वारा बोली जाने वाली प्रार्थनाओं के सात अध्यायों के पाठ की निरंतरता के रूप में माना जाता है। आयोजन समिति की ओर से इसमें सहयोग हेतु सभी समाजों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया गया।

लेफ्टिनेंट जनरल अजय कुमार सिंह ने सेना के नए दक्षिणी कमान प्रमुख का पदभार संभाला

मुंबई, 01 नवम्बर (एजेन्सी)। लेफ्टिनेंट जनरल अजय कुमार सिंह ने पुणे में मुख्यालय वाले भारतीय सेना की दक्षिणी कमान के नए प्रमुख का पदभार संभाल लिया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

लेफ्टिनेंट जनरल सिंह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, पुणे और भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून के पूर्व छात्र हैं। उन्होंने निवर्तमान कमांडर जे.एस. नैन से पदभार ग्रहण किया। नैन ने सोमवार को पद छोड़ दिया है।

लेफ्टिनेंट जनरल सिंह दिसंबर 1984 में सेना की 7/11 गोरखा राइफल्स में शामिल हुए थे । चाहे उग्रवाद विरोधी क्षेत्र हो या काफी ऊंचाई वाला सियाचिन जैसा बर्फीला हिमाच्छादित क्षेत्र या गर्म रेगिस्तानी इलाका, उनके पास व्यापक परिचालन अनुभव है।

उन्होंने जम्मू और कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर 1/11 गोरखा राइफल्स, वेस्टर्न थिएटर में एलिट ब्रिगेड, कश्मीर घाटी में फ्रंटलाइन काउंटर-इंसर्जेंसी फोर्स और उत्तर-पूर्व में त्रिशक्ति कोर की कमान संभाली है।

उन्होंने कमांडो विंग, बेलगाम में प्रशिक्षक, सैन्य संचालन के अतिरिक्त महानिदेशक और रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली के एकीकृत मुख्यालय में ऑपरेशनल लॉजिस्टिक एंड स्ट्रेटेजिक मूवमेंट के महानिदेशक जैसे प्रमुख पद पर रहते हुए कर्मचारियों की नियुक्ति का भी काम किया है।

वह काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास में राजनयिक-सैनिक के रूप में पीपीओ धरान के प्रभारी अधिकारी भी रहे हैं।

पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने पुणे में दक्षिण कमान के युद्ध स्मारक पर माल्यार्पण कर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी।

लेफ्टिनेंट जनरल नैन को फरवरी 2021 में नियुक्त किया गया था। उन्होंने सौंपे गए बेहद चुनौतीपूर्ण कार्यों को पूरा करने में अपनी अडिग प्रतिबद्धता दिखाई और काम के प्रति समर्पण के लिए कमांड के सभी रैंकों की सराहना की।

'आप' महा ठग पार्टी : संबित पात्रा

राजेश अलख

नई दिल्ली, 01 नवम्बर (एजेन्सी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को दिल्ली की सत्ताधारी आम आदमी पार्टी (आप) को महा ठग पार्टी करार दिया। इससे पहले जेल में बंद ठग सुकेश चंद्रशेखर ने दावा किया था कि दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन ने जेल में उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 10 करोड़ रुपये की उगाही की थी।

भाजपा मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पार्टी प्रवक्ता संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी ने एक ठग से ठगी की है। उन्होंने कहा कि आप एक महा ठग पार्टी है।

पात्रा ने कहा, खबरों से मालूम पड़ा है कि ठग के घर में ठगी हो गई है। और ठग का नाम है सुकेश चंद्रशेखर। और ठग के घर में ठगी करने वाले का नाम आम आदमी पार्टी और सत्येंद्र जैन है।

उन्होंने आरोप लगाया कि आप ने चंद्रशेखर से पैसों की उगाही की है और यह दर्शाता है कि भारतीय राजनीति का चेहरा बदलने का दावा कर राजनीति में आने वाली आप पूरी तरह से भ्रष्ट है।

पात्रा ने कहा, केजरीवाल और उनकी पार्टी के लोग सिर्फ भ्रष्टासन नाम का एक ही आसन जानते हैं और कोई आसन इन्हें नहीं आता है। जब से सत्ता में आए हैं, तब से एक-एक करके खुलासा हो रहा है।

चंद्रशेखर ने दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना को पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि जैन ने उससे 2019 में जेल में उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 10 करोड़ रुपये की उगाही की थी।

चंद्रशेखर दिल्ली के मंडोली जेल में बंद है। उसने यह पत्र सात अक्टूबर को लिखा था। उसके वकील अशोक के सिंह ने आठ अक्टूबर को यह पत्र उपराज्यपाल को दिया।

भाजपा के इन आरोपों को खारिज करते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह गुजरात के मोरबी में हुए पुल हादसे से लोगों का ध्यान भटकाने की भाजपा की कोशिश है।

स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को बढ़ा रहा पंजाब : भगवंत मान

जगराओं, 01 नवम्बर (एजेन्सी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को लोगों को अत्याधुनिक चिकित्सा उपचार और डायग्नोस्टिक सेवाएं प्रदान करने के लिए राज्य भर में सरकारी स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने एक नवनिर्मित मदर एंड चाइल्ड केयर अस्पताल को समर्पित करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, चुनावों के दौरान हमने लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा की गारंटी देने का वादा किया था और इस नेक काम में कोई कसर नहीं छोड़ी गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी अस्पतालों को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसी तरह स्वास्थ्य विभाग में सभी रिक्त सरकारी पदों को भरने के लिए भर्ती अभियान शुरू किया गया है। एकमात्र उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि लोगों को राज्य में सर्वोत्तम स्वास्थ्य सुविधाएं मिले।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मौजूदा सरकारी अस्पतालों को नवीनतम सुविधाओं से अपग्रेड किया जा रहा है, साथ ही नए अस्पताल खोलने पर भी ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पंजाब जल्द ही स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा के केंद्र के रूप में उभरेगा।

मान ने कहा कि आने वाले पांच वर्षों में 16 नए मेडिकल कॉलेज बनाए जाएंगे, जिससे मेडिकल कॉलेजों की कुल संख्या बढ़कर 25 हो जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कल्पना की कि नवनिर्मित मातृ एवं शिशु अस्पताल गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए उत्प्रेरक का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि लोगों को इन अस्पतालों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिले।

मान ने कहा कि आने वाले दिनों में राज्य भर में ऐसे और अस्पताल बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मार्च 2023 में अमृतसर में होने वाला प्रतिष्ठित जी-20 शिखर सम्मेलन पंजाब को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापार के लिए पसंदीदा स्थान के रूप में बढ़ावा देगा।

उन्होंने कहा कि शिखर सम्मेलन सरकार को नए व्यवसाय स्थापित करने के लिए अपनी उपलब्धियों और सुविधाओं को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच भी प्रदान करेगा।

मान ने कहा कि यह एक सुनहरा अवसर है, जब पंजाब को सर्वोत्तम अवसरों की भूमि के रूप में उजागर किया जा सकता है, राज्य को इस कार्यक्रम की मेजबानी करने का अवसर मिला है, जिसमें दुनिया भर के प्रमुख देश शिक्षा, श्रम और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि धान की फसल की चल रही खरीद और लिफ्टिंग की पूरी प्रक्रिया एक सप्ताह के भीतर पूरी कर ली जाएगी।

धान के एक-एक दाने की खरीद के लिए राज्य सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, मान ने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से पूरी खरीद प्रक्रिया की निगरानी कर रहे हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

डियर साप्ताहिक लॉटरी
बर्धमान निवासी ने
₹1 करोड़ जीते

बर्धमान, पश्चिम बंगाल के श्री प्रबीर बनर्जी ने 02.09.2022 को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नम्बर 85E 17568 है। "एक करोड़पति बन जाने के बाद अब मैं अपनी भावनाएं व्यक्त नहीं कर पा रहा हूं। अपने मित्रों एवं परिजनों के बीच मैं एक भाग्यशाली व्यक्ति हूं। मैं कभी भी यह नहीं जानता था कि डियर लॉटरी मुझे एक करोड़पति बना सकती है। इस बेहतरीन अवसर के लिए मैं डियर लॉटरी तथा नागालैंड स्टेट लॉटरीज के प्रति आभारी हूं। अपने सभी मित्रों तथा रिश्तेदारों को मैं डियर लॉटरी खरीद कर अपनी किस्मत आजमाने की सलाह दूंगा। इस विशाल पुरस्कार के साथ मैं कुछ निवेश करूंगा जिससे कि हमारा भविष्य सुरक्षित हो।" विजेता ने कहा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रक: नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com